धरती उगले सोना

कृषि आधारित पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष : 16 | अक्टूबर–नवम्बर–दिसम्बर 2025 एवं जनवरी 2026 | रबी फसल व नियंत्रण विशेष | पृष्ठ – 20 | मूल्य : 50/-

ग्राफिक्स : फैज़ान अंसारी | प्रधान संपादक : देवांशु चौधरी

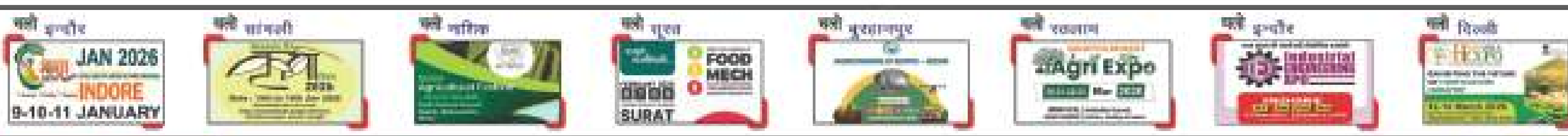

अन्दर से

रबी फसल नियंत्रण

पन्ना के हीरे को मिला GI टैग

भण्डारण

पशुपालन

शिक्षा

मेरी लेखनी की आवाज...

प्रिय कृषक / व्यापारी बंधुओं,

धरती उगले सोना का रबी फसल व नियंत्रण विशेषांक लेकर आपकी सेवा में उपस्थित है, आशा है कि हमारी टीम की मेहनत आपको अवश्य पसंद आयेगी। सभी देशवासियों को शारदीय नवरात्र, दशहरा, धनतेरस, दीपावली एवं नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। अब बात किसानों की। इस बार इंद्र देवता ने अपना प्रचंड रूप दिखाया और उस समय पानी बरसाया कि बढ़िया कटी हुई खलिहानों में पड़ी फसल भीग गई और किसानों के खिले चेहरे मुरझा गये। पूरे देश में खरीफ की फसल और दीवाली का त्यौहार बिगड़ गया। म.प्र. की सोयाबीन (पीला सोना) का गढ़ कहा जाता है और 3 वर्ष बाद अच्छी फसल थी, लेकिन आखिरी मोड़ पर पानी फिर गया। इस बार तो कृषि विभाग का सरकारी अमला भी समय पर नुकसान एवं मुआवजा का आकलन नहीं कर पाया, उनका ध्यान तो सिर्फ कारखानों व बड़े दुकानदारों पर रहा जहाँ से दीवाली मनाने की उगाई होती है, गरीब किसान की किसी को चिंता नहीं है,

इस बार सबसे ज्यादा असर कृषि आदानों की उगाही पर पड़ा है। पैसा जैसे बाजार में रुक–सा गया है, कृषि आदान कंपनिया काम करने से घबरा रही हैं, वैसे भी हम पहले बता चुके हैं कि खरपतवार निर्माताओं को तो तगड़ा झटका इस वर्ष भी लगा है और करोड़ों का माल वापस गोदाम में रिटर्न आकर पड़ा है, जिसे एक साल तक अवेरना उनकी मजबूरी है। सदैव की तरह इस बार भी सरकारी अमला किसानों के नुकसान का आंकलन कर मुआवजा की रकम का बंदर बांट करने को तत्पर है।

अब बात राजनीति की हम सदैव लिखते आये हैं कि मोदी राज में भष्ट्राचार का ग्राफ दो गुना हो चुका है एवं सरेआम रिश्वत के मामले सामने आ रहे हैं। विगत् कई दिनों से म.प्र. के मुख्यमंत्री मोहन यादव भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की बात कर रहे हैं लेकिन क्या वाकई इसमें कोई सच्चाई है। आजकल चुनाव में नेता लोग पानी की तरह पैसा बहाते हैं जो ना जाने इनके पास किस पिछले दरवाजे से आता है, इस समय तो भ्रष्टाचार का ग्राफ दो–गुना हो जाता है, तबादले से लेकर ठेकों की मंजूरी ताबड़तोड़ होती है और उगाई भी पूरे जोश पर रहती है, कहाँ से करेंगे भ्रष्टाचार मुक्त देश ?

इस वर्ष ग्लोबल वार्मिंग के चलते मौसम ने करवट बदली है एवं सीजन 1 महीना देरी से चल रहा है, बरसात के बाद अब ठंड भी जबरदस्त पड़ रही है। फसलो, सबजियो एवं फूलो की खेती पर इसका विपरीत असर पड़ रहा है जिसके कारण कीमते आसमान छू रही है। किसान को तो उसकी मेहनत का पूरा पैसा नहीं मिलता लेकिन व्यापारी वर्ग कीमते बढ़ा कर जनता की जेब खाली कर रहा है।

चलते-चलते इन पंक्तियों के साथ...
जीवन में कभी भी हार मत मानना, क्योंकि संघर्ष भी उन्हीं को चुनता है जिसमें लड़ने की ताकत होती है...

आपका अपना
देवांशु चौधरी
प्रधान संपादक एवं प्रकाशक

गेहूँ की नवीन उन्नत प्रजातियां उनसे जुडी सम्पूर्ण जानकारी

प्रदीप खडीकर
मो : 9301606161

गेहूँ–एच.डी.–4728 (पूसा मालवी) :– गेहूँ की यह नवीनतम कठिया किस्म अपने बोल्ड दाने व आकर्षक चमकदार गेहूँआ (अंबर) रंग के कारण अत्यन्त स्वादिष्ट होने से तथा अपनी उच्च उत्पादन क्षमता के लिये किसानों में काफी लोकप्रिय हो गई है। गेहूँ की यह किस्म सेन्ट्रल झेन याने म.प्र., राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ में बोनी हेतु अनुशासित किस्म है। मध्यम ऊँचाई वाला, अधिक कूचे करने वाला व कड़क कांडी का पौधा होने से लॉजिंग या आड़ा पड़ने की समस्या नहीं। इसकी अवधि लगभग 120 दिवस इसके 1000 दानों का वजन लगभग 55 ग्राम। इस किस्म के अधिकांश गुण/कैरेक्टर/विशेषताएं एवं कृषि कार्यमाला पूसा तेजस एचआई 8759 से काफी मिलती है। अतः इनका अलग से उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है। इस हेतु पूसा तेजस की सम्पूर्ण जानकारी नीचे दी गई है। उसका अध्ययन कर लेवें। उत्पादन क्षमता एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की क्वालिटी एवं पोषक तत्वों की प्रचुरता के कारण इस किस्म ने अपना एक शीर्ष स्थानकिसानों में बना लिया है। इस किस्म में हाई ग्लुटेन की मात्रा होने से पास्ता, मेकरोनी एवं अन्य उत्पादों के अनुकूल होने से अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मांग होने के कारण एक्सपोर्ट हेतु एक आदर्श किस्म। इस किस्म में थर्मोटालरेन्स याने अधिक ठंड एवं गर्मी दोनों को सहन करने की इस किस्म में सहनशीलता होने के कारण इसकी बोनी जल्दी अक्टूबर अन्त में भी की जा सकेगी व ठंड की सहनशीलता होने से पाले के विरुद्ध भी यह किस्म किसानों को होने वाली हानि से बचाएगी व किसान को अपने उत्पादन का अधिक मूल्य प्राप्त होगा। इस किस्म में रस्ट, कर्नाल बंट एवं अन्य कई बीमारियों के प्रति प्रतिरोधकता व सर्वगुण सम्पन्न यह किस्म अपने नाम पूसा मालवी के अनुसार मालवा व अन्य क्षेत्रों के लिए उत्पादन व प्रगति के नए आयाम बनाते हुए एक मील का पत्थर साबित होगी।

गेहूँ–एच.आई. 1634 (पूसा अहिल्या) :– गेहूँ की यह किस्म गेहूँ अनुसंधान केन्द्र, इंदौर (IARI) से वर्ष 2021 में जारी की गई है। इसका गजट नोटिफिकेशन क्र.एस.ओ. 500 (E) दिनांक 29.1.2021 है। गेहूँ की पूसा अहिल्या किस्म चपाती एवं बिस्कीट हेतु एक सर्वश्रेष्ठ आदर्श किस्म के रूप में म.प्र., राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, झाँसी क्षेत्र देश के मध्यक्षेत्र में बोनी हेतु अनुशासित की गई है। इस किस्म ने अपनी चेक किस्मों के विरुद्ध 17 से 30 प्रतिशत तक अधिक उत्पादन दिया है। इस किस्म में अधिक तापमान की स्थितियों में भी अपनी उच्च उत्पादन क्षमता के गुण के कारण लगभग 30 क्विंटल एकड़ या 70.60 क्विंटल हेक्टेयर तथा व्यवहारिक परिस्थितियों में किसानों द्वारा इससे भी अधिक उत्पादन का रिकार्ड बनाकर किसानों की आय बढ़ाने हेतु एक नया मार्ग व आत्मविश्वास प्रदान किया है। इस किस्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उच्च तापमान होने पर भी यह किस्म जल्दी नहीं पकती है, जिससे इसका उत्पादन कम नहीं होता है। फरवरी/मार्च में तापमान बढ़ने पर अन्य पुरानी किस्मों में जो 20 प्रतिशत तक की क्षति उत्पादन में होती है वह इस किस्म की बढ़े तापमान को सहन करने की क्षमता के कारण इसमें नहीं होती है। यह आकड़े गहन रिसर्च एवं अनुसंधान के पश्चात् जो कि रिसर्च स्टेशन इंदौर, जबलपुर, नर्मदापुरम, पवारखेडा, सागर व देश के अन्य रिसर्च स्टेशन से प्राप्त आकड़ों व तथ्यों के आधार पर दिये गये है। इन आकड़ों के परिपेक्ष्य में एडवांस जनरेशन की किस्म होने के कारण बढ़े तापमान पर भी अपनी उत्पादन क्षमता बनाये रखते हुए ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से भी किसानों को सुरक्षा प्रदान करेगी।

इसके अतिरिक्त पूसा अहिल्या एक अर्ली किस्म अवधि 105 से 110 दिवस होने से इस किस्म को देरी बोनी हेतु दिसम्बर के अंत तक बोने के लिये भी एक सर्वश्रेष्ठ किस्म के रूप में अनुशासित किया गया है। जिसके कारण आलू–मटर व अन्य अगाती फसल लेने वाले किसानों के लिये यह किस्म वरदान सिद्ध होगी तथा तृतीय फसल चक्र के रूप में किसानों को अतिरिक्त आय भी प्रदान करेगी। पूसा अहिल्या किस्म एक अर्ली किस्म होने से अवधि 105 से 110 दिवस व तापमान की सहनशीलता के गुण के कारण दो सिचाई में भी अच्छा उत्पादन देने की क्षमता जिससे बिजली पानी की बचत तीन से चार सिचाई देने पर उत्पादन में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होगी। इस किस्म की ऊँचाई कम 80 से 85 से.मी. होने व कुचे (टिलरिंग) काफी होने से आड़ा पड़ने की (लॉजिंग) की समस्या नहीं। तकनीकी एनेलेसिस एवं लेब से प्राप्त आकड़ों के अनुसार पूसा अहिल्या किस्म चपाती एवं बिस्कीट हेतु देश की सर्वश्रेष्ठ किस्म बन सकती है। क्योंकि इसमें चपाती हेतु तय क्वालिटी मानक में (7.86) बिस्कीट हेतु (6.73) स्कोर व ग्लू स्कोर (8/10) सेडिमेंटेशन वेल्यू (44.8 एम.एल.) टेस्ट वेट (81.8 कि.ग्रा./HL) हार्डग्रीन हार्डनेस (81.4 कि.ग्रा./HL) उच्चस्तर पर है इसके साथ इस किस्म में प्रोटीन उच्चस्तर पर (12.1%) आयरन (39.6 पी.पी.एम.) जिंक (36.6 पी.पी.एम.) अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उच्च स्तर पर होने से इस किस्म में स्वाद के साथ पोषक तत्वों का अनूठा एवं दुर्लभ संयोजन एक साथ होने से चपाती एवं बिस्कीट हेतु यह एकमात्र आदर्श किस्म है। जो कि भविष्य में कृषकों एवं चपाती/बिस्कीट उपभोक्ताओं की पहली पसंद बन जायेगी। इस किस्म के दाने आकर्षक, चमकदार होने से किसानों को आकर्षक बाजार भाव इसके 1000 दानों का वजन लगभग 40 ग्राम। इस किस्म में कर्नाल बंट, लूज स्मट, स्टेम रस्ट, लीफ ब्लाईट, फ्यूजेरियम हेड ब्लाईट, रूट राट, फ्लेग स्मट आदि बीमारियों के प्रति प्रतिरोधकता होने से सुरक्षित उत्पादन की गारंटी। इस किस्म की बीज दर प्रति एकड़ 40/45 किलो प्रति हेक्टेयर लगभग 100 किलो व लाईन से लाईन की दूरी 9'' से 10'' इंच रखने आदर्श कार्यमाला अनुसार अनुशंसित फर्टीलाईजर एवं सिंचाई प्रबंधन करने पर आदर्शपरिणाम। गेहूँ की पूसा अहिल्या किस्म अपनी उच्च उत्पादकता एवं अपनी सर्वगुण सम्पन्नता वाले उपरोक्त वर्णित गुणों के कारण अतिशीघ्र परम्परागत पुरानी किस्मों को पीछे छोड़कर एक अग्रणी किस्म के रूप में कृषि क्षेत्र एवं किसानों में लोकप्रियता के नए आयाम बनाकर अपनाएक नाम व उच्च स्थान बनाने में सफल होगी।

गेहूँ–एच.आई. 1636 (पूसा बकुला) :– क्षेत्रीय गेहूँ अनुसंधान केन्द्र (IARI) इंदौर से हाल ही में जारी गेहूँ की यह किस्म पूसा बकुला को समय पर बोनी के लिये देश के मध्य क्षेत्र म.प्र., गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं बुंदेलखण्ड क्षेत्र के लिये अनुशासित किया गया है। यह किस्म चपाती एवं बिस्कीट हेतु एक सर्वश्रेष्ठ किस्म के रूप में अपने मोटे एवं बोल्ड, आकर्षक दाने तथा अपनी उच्च उत्पादन क्षमता के गुण के कारण अतिशीघ्र किसानों में लोकप्रिय किस्म के रूप में अपना स्थान बना लेगी। इस किस्म का गजट नोटिफिकेशन क्र. एस.ओ. 8 (E) दिनांक 24–12–2021 है। इस किस्म की ऊँचाई लगभग 100 से.मी. एवं 1000 दानों का वजन 55 ग्राम व अधिकतम उत्पादन क्षमता 78.80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर व व्यवहारिक परिस्थितियों में इस किस्म का बम्पर उत्पादन किसानों द्वारा 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से भी अधिक लिया गया है। इस किस्म की अवधि लगभग 122 दिवस है। गेहूँ की बकुला किस्म चपाती एवं बिस्कीट के लिये श्रेष्ठ मानी गई है। इसमें चपाती हेतु (8.24) बिस्कीट हेतु (6.50) स्कोर इसका ग्लू स्कोर (6/10) टेस्ट वेट (80.6 कि.ग्रा./HL) हाई सेडिमेंटेशन वल्यू (42.6 एम.एल.) है जो कि उच्च स्तर पर मानी जाती है। इसके साथ इस किस्म में भरपूर न्यूट्रेशन वेल्यू भी पाई गई है जिसके कारण इस किस्म में प्रोटीन लगभग (12%), जिंक उच्च मात्रा में (44.4 पी.पी.एम.) तथा लोह की मात्रा तथा अन्य पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होने के कारण इसकी चपाती, बिस्कीट एवं इससे बनाए जाने वाले पदार्थों में स्वाद के साथ पोषक तत्वों का आदर्श संगम देखा गया है जो कि देश में कुपोषण की समस्या से लड़ने के लिये एक बेहतर किस्म के रूप में अपना योगदान देगी।

चने की इन टॉप 5 किस्मों से होगी बंपर पैदावार

रबी फसलों की बुवाई का सीजन चल रहा है। ऐसे में किसानों को अच्छी किस्म के बीजों की आवश्यकता होती है ताकि बेहतर पैदावार हो सके। रबी फसलों की बहुत सी अधिक उत्पादन देने वाली किस्में हैं जिसकी जानकारी किसानों को होनी चाहिए। रबी फसलों की किस्मों के क्रम में आज हम ट्रैक्टर जंक्शन के माध्यम से किसान भाइयों को चने की अधिक उत्पादन देने वाली टॉप 5 किस्मों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

चने की नई किस्म जे.जी–12 : वैज्ञानिकों ने सीड हब परियोजना के अन्तर्गत जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा चना की नई अधिक उत्पादन देने वाली किस्म विकसित की है। ये किस्म उकठा निरोधक प्रजाति से विकसित की गई है। चने की इस नई किस्म से करीब 22–25 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। ये किस्म उकठा रोग प्रतिरोधी किस्म है। चने की इस नई किस्म का बीज कृषि विज्ञान केंद्र–कुंडेश्वर रोड टीकमगढ़ (मध्यप्रदेश) से प्राप्त किया जा सकता है।

चने की विजय किस्म : चने की विजय किस्म जल्दी एवं देरी से दोनों समय में बोई जा सकती है। इस किस्म की बुवाई का समय अक्टूबर से नवंबर में के मध्य करना अच्छा माना जाता है। ये अन्य किस्मों की अपेक्षा जल्दी पककर तैयार हो जाती है। सिंचित क्षेत्र में इसकी फसल 105 दिन और असिंचित क्षेत्र में इसकी फसल 90 तैयार हो जाती है। इसमें फूल आने की अवधि 35 दिनों की होती है। चने की यह किस्म सूखा सहन में समर्थ है।

चने की एम.सी–5 किस्म : चने की ये किस्म भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के करनाल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र की ओर से विकसित की गई है। इस किस्म को नवंबर माह में तापमान कम होने पर बोया जाता है। किसान भाई 25 अक्टूबर से 15 नवंबर तक इसकी बुवाई कर सकते हैं। सामान्यतः इस किस्म की बुवाई के लिए करीब 27° या इससे कम तापमान बेहतर माना जाता है। इस किस्म के पौधे में 50 से 55 दिन की अवधि में फूल आने शुरू हो जाते हैं। ये किस्म करीब 120 दिन में पककर तैयार हो जाती है। यह किस्म भी अधिक उत्पादन देती है। किसान बीज उपचार, खरपतवार नियंत्रण, उर्वरक प्रबंधन, कीट नियंत्रण, सिंचाई प्रबंधन तथा पाले की सुरक्षा आदि क्रियाएं करके इसका उच्च उत्पादन प्राप्त कर सकता है।

चने की विशाल किस्म : चने की इस किस्म का आकार बड़ा और गुणवत्तापूर्ण होता है। ये चने की सर्वश्रेष्ठ किस्म मानी जाती है। इस किस्म की बुवाई का समय 20 अक्टूबर से नवंबर का प्रथम पखवाड़ा तक बताया गया है। चना की विशाल किस्म 110 से 115 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसमें फूल आने का समय 40 से 45 दिन का होता है। चने की इस किस्म से करीब 35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

चने की (दिग्विजय) फुले 9425–5 किस्म : चने की ये किस्म फुले कृषि विश्वविद्यालय राहुरी द्वारा विकसित की गई है। ये किस्म अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों में शुमार है। इस किस्म की बुवाई का समय अक्टूबर से नवंबर के मध्य का होता है। चने की यह किस्म 90 से 105 दिन पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म से अधिकतम 40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

चने की खेती में ध्यान रखने वाली खास बातें (Chane ki kheti) : चने की खेती में कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इसकी बेहतर पैदावार प्राप्त की जा सकती है। चने की खेती में जो बाते ध्यान रखनी चाहिए उनमें से खास बातों को हम नीचे बता रहे हैं। **चने की खेती के लिए अच्छे जल निकास वाली हल्की दोमट मिट्‌टी उपयुक्त रहती है। इसमें मिट्‌टी का पीएच मान 6.6–7.2 बीच होना चाहिए। इसकी खेती के लिए अम्लीय एवं ऊसर भूमि अच्छी नहीं मानी जाती है।**

■ चने की अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए असिंचित व सिंचित क्षेत्र में चने की बुवाई अक्टूबर प्रथम और द्वितीय पखवाड़े में करना अच्छा रहता है। वहीं जिन खेतों में उकठा का प्रकोप अधिक होता है वहां इसकी बुवाई देरी से करना लाभदायक रहता है। ■ चने के बीजों की बुवाई गहराई में करनी चाहिए ताकि कम पानी में भी इसकी जड़ों में नमी बनी रहे। सिंचित क्षेत्र में 5–7 सेमी व बारानी क्षेत्रों में सरंक्षित नमी को देखते हुए 7–10 सेमी गहराई तक बुवाई की जा सकती है। ■ चने की बुवाई हमेशा कतार में करनी चाहिए। इससे खरपतवार नियंत्रण, सिंचाई, खाद व उर्वरक देने में आसानी होती है। ■ देसी चने की बुवाई करते समय कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा काबुली चने की बुवाई में कतार से कतार की दूरी 30–45 सेमी रखना चाहिए।

■ चने की फसल में जड़ गलन व उखटा रोग की रोकथाम के लिए 2.5 ग्राम थाईरम या 2 ग्राम मैन्कोजेब या 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करके बीजों की बुवाई करनी चाहिए। वहीं जिन क्षेत्रों में दीमक का प्रकोप अधिक होता है। वहां 100 किलो बीज को 600 मिली क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी से बीज को उपचारित करके बीजों की बुवाई करनी चाहिए। बीजों को सदैव राइजोबियम कल्चर से उपचारित करने के बाद ही बोना चाहिए। ■ चने की फसल में जहां सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो वहां बुवाई के 40–45 दिन बाद इसकी पहली सिंचाई करनी चाहिए। इसकी दूसरी सिंचाई फलियां बनते समय करीब 60 दिन बाद की जा सकती है। इस बात का ध्यान रखे सिंचाई सदैव हल्की ही करें क्योंकि ज्यादा सिंचाई से फसल पीली पड़ जाती है। ■ पौधों की बढ़वार अधिक होने पर बुवाई के 30–40 दिन बाद पौधे के शीर्ष भाग को तोड़ देना चाहिए। ऐसा करने से पौधों में शाखाएं अधिक निकलती है व फूल भी अधिक आते हैं, फलियां भी प्रति पौधा अधिक आती है। जिससे पैदावार अधिक प्राप्त होती है। पर इस बात का ध्यान रखें कि नीपिंग कार्य फूल वाली अवस्था पर कभी भी नहीं करें। इससे उत्पादन पर विपरित असर पड़ सकता है।

सरसों की खेती: बढ़िया उत्पादन के लिए कब और कैसे करें बुवाई

अगर आप भी सरसों की बुवाई करना चाहते हैं तो यह बिल्कुल सही समय है, क्योंकि इस समय बुवाई के लिए पर्याप्त नमी रहती है। सितम्बर महीने से किसान सरसों की बुवाई शुरू कर देते हैं, अगर किसान शुरू से ही खेती पर ध्यान देते हैं तो अच्छा उत्पादन पा सकते हैं। रबी की फसलों में सरसों का महत्वपूर्ण स्थान है देश के कई राज्य जैसे राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश में मुख्यता से की जाती है। सरसों के बीज में तेल की मात्रा 30 से 48 प्रतिशत तक पायी जाती है। सरसों की खेती के लिए सही समय और मिट्टी सरसों की खेती शरद ऋतु में की जाती है। अच्छे उत्पादन के लिए 15 से 25 सेल्सियस तापमान की आवश्यकता होती है। वैसे तो इसकी खेती सभी मृदाओं में कई जा सकती है लेकिन बलुई दोमट मृदा सर्वाधिक उपयुक्त होती है। यह फसल हल्की क्षारीयता को सहन कर सकती है। लेकिन मृदा अम्लीय नहीं होनी चाहिए। सरसों की उन्नत किस्में किसानों को हर साल बीज खरीदने की जरूरत नहीं होती है क्योंकि बीज काफी महंगे आते हैं। इसलिए जो बीज आपने पिछले वर्ष बोया था यदि उसका उत्पादन या आपके किसी किसान साथी का उत्पादन बेहतरीन रहा हो तो आप उस बीज की सफाई और ग्रेडिंग करके उसमे से रोगमुक्त ओर मोटे दानों को अलग करें। इसके बाद बीजोपचार करके बुवाई करें तो भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे, लेकिन जिन किसान भाइयों के पास ऐसा बीज नहीं है वो निम्न किस्मों का बीज बुवाई कर सकते हैं।

आर एच 30 : यह किस्म सिंचित व असिंचित दोनों ही स्थितियों में अच्छा उत्पादन देती है। साथ इसे गेहूं, चना या फिर जौ के साथ भी बो सकते हैं। **टी 59 (वरुणा) :** इसकी उपज असिंचित 15 से 18 कुंतल प्रति हेक्टेयर होती है। इसमें तेल की मात्रा 36 प्रतिशत होती है।

पूसा बोल्ड :– आशिर्वाद (आर. के. 01से 03) : यह किस्म देरी से बुवाई के लिए (25 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक) उपयुक्त पायी गई है। **अरावली (आर. एन.393) :** सफेद रोली के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। **एनआरसी एचबी 101 :** सेवर भरतपुर से विकसित उन्नत किस्म है इसका उत्पादन बहुत शानदार रहा है, सिंचित क्षेत्र के लिए बेहद उपयोगी किस्म है 20–22 क्विंटल उत्पादन प्रति हेक्टेयर तक दर्ज किया गया है। **एनआरसी डीआर 2 :** इसका उत्पादन अपेक्षाकृत अच्छा है इसका उत्पादन 22 – 26 क्विंटल तक दर्ज किया गया है। **आरएच– 749 :** इसका उत्पादन 24–26 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक दर्ज किया गया है।

खेत की तैयारी : सरसों के लिए भुरभुरी मिट्टी की जरूरत होती है। इसे लिए खरीफ की कटाई के बाद एक गहरी जुताई प्लाऊ से करनी चाहिए औरइसके बाद तीन चार बार देशी हल से जुताई करना लाभप्रद होता है नमी संरक्षण के लिए हमें पाटा लगाना चाहिए। खेत में दीमक, चितकबरा और अन्य कीटो का प्रकोप अधिक हो तो, नियंत्रण के लिए अन्तिम जुताई के समय क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हेक्टयर की दर से अंतिम जुताई के साथ खेत मे मिलना चाहिए। साथ ही, उत्पादन बढ़ाने के लिए 2 से 3 किलोग्राम एजोटोबेक्टर व पीए.बी कल्चर की 50 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद या वर्मीकल्चर में मिलाकर अंतिम जुताई से पूर्व मिला दें।

सरसों की बुवाई समय और तरीका : सरसों की बुवाई के लिए उपयुक्त तापमान 25 से 26 सेल्सियस तक रहता है। बारानी में सरसों की बुवाई 05 अक्टूबर से 25 अक्टुबर तक कर देनी चाहिए। सरसों की बुवाई कतारो में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 45 से. मी. तथा पौधों से पौधे की दूरी 20 सेमी. रखनी चाहिए। इसके लिए सीडड्रिल मशीन का उपयोग करना चाहिए। सिंचित क्षेत्र में बीज की गहराई 5 सेमी. तक रखी जाती है।

बीज दर : बुवाई के लिए शुष्क क्षेत्र में 4 से 5 किग्रा और सिंचित क्षेत्र में 3 से 4 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त रहता है।

बीजोपचार : 1. जड़ सड़न रोग से बचाव के लिए बीज को बुवाई के से पहले फफूंदनाशक बाबस्टीन वीटावेक्स, कैप्टान, थिरम, प्रोवेक्स मे से कोई एक 3 से 5 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

2. कीटो से बचाव के लिए ईमिडाक्लोरपीड 70 डब्लू पी, 10 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज दर से उपचरित करें। 3. कीटनाशक उपचार के बाद मे

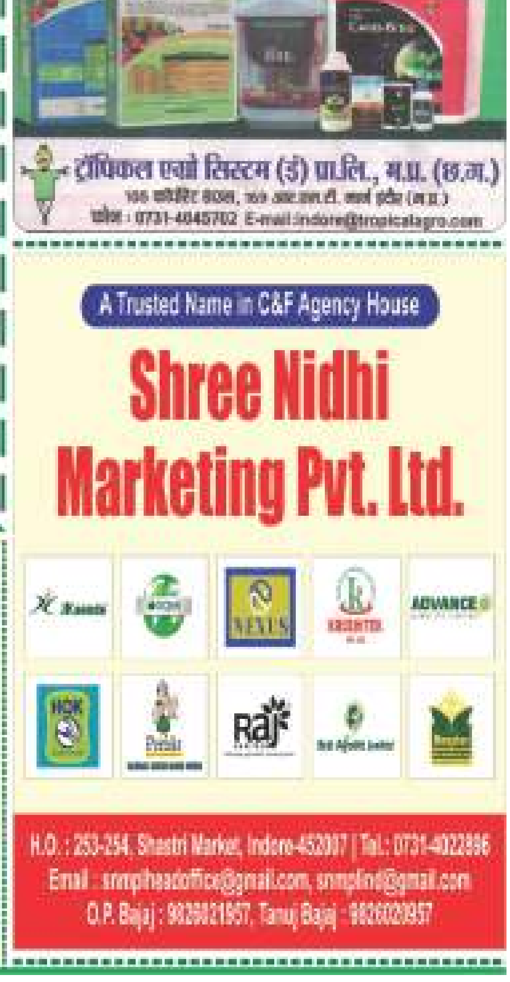

मनोज सक्सेना प्रचार प्रमुख बने

भोपाल। भारतीय किसान संघ भोपाल संभाग की बैठक संभागीय अध्यक्ष बिसन सिंह बघेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में पूरी संभाग की कार्यकारिणी उपस्थित रही। प्रान्त संगठन भरत पटेल द्वारा कार्यकर्ताओ से चर्चा कर विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया। बैठक में विभिन्न आयामों के लिए – संभाग के प्रभारी नियुक्त किए गए। इस बैठक में दो नवीन दायित्वों की घोषणा भी की गई। मनोज सक्सेना भोपाल से – संभागीय प्रचार प्रमुख एवं अरविंद पटेल भोपाल से नगर प्रचार – प्रमुख का दायित्व का निर्वहन करेंगे।

झाबुआ में डोर–टू–डोर किया जा रहा किसानों का पंजीयन

झाबुआ। प्रदेश शासन की महत्त्वाकांक्षी सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में किसानों के डोर–टू–डोर पंजीयन की प्रक्रिया की जा रही हैं। इस अभियान के अंतर्गत राजस्व, कृषि एवं जव सहकारी संस्थाओं के अमले द्वारा गांव–गांव जाकर किसानों के पंजीयन कार्य को तेजी से संपन्न किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रह सके। कलेक्टर नेहा मीना ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में किसानों को योजना की जानकारी देकर उन्हें पंजीयन के लिए प्रेरित किया जाए। जिन पंचायतों में सोयाबीन का अधिक रकबा है, वहां विशेष पंजीयन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में किसानों को योजना की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और पंजीयन की संपूर्ण जानकारी दी जा रही है, जिससे अधिक से अधिक किसान इस योजना से लाभान्वित हो सकें। अब तक जिले में कुल 7156 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है।

पन्ना के हीरे को मिला GI टैग, अब दुनिया में गूंजेगी 'पन्ना की चमक'

मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के लिए बुधवार का दिन बेहद खास साबित हुआ। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार पन्ना की खदानों से निकलने वाले हीरे को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग मिल गया है। यह टैग किसी भी उत्पाद को उसकी भौगोलिक उत्पत्ति के आधार पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। अब "पन्ना का हीरा" आधिकारिक तौर पर अपनी खास क्वालिटी और विशेषताओं के कारण दुनिया भर में पहचाना जाएगा। इस पहचान से पन्ना के हीरों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में विश्वसनीयता बढ़ेगी और उनकी मांग में भी बढ़ोतरी की पूरी संभावना है।

सोलर पंप के लिए किसानों को मिलेगा 90% तक अनुदान

भोपाल। मध्य प्रदेश के किसानों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब राज्य सरकार सोलर पंप स्थापना के लिए किसानों को 90: तक सब्सिडी प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह घोषणा मुख्यमंत्री निवास, भोपाल में सोयाबीन पर भावांतर भुगतान के उपलक्ष्य में आयोजित किसान आभार सम्मेलन में की।

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व किसानों को केवल 60 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा था। इस योजना के अंतर्गत किसानों को उनकी वर्तमान विद्युत पंप क्षमता से एक स्तर अधिक क्षमता वाला सोलर पंप दिया जाएगा।

श्री टी.सी. छाबनिया को परियोजना संचालक आत्मा धार का अतिरिक्त प्रभार

भोपाल। राज्य शासन द्वारा सहायक संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग धार, श्री टी.सी. छाबनिया को वर्तमान पदीय दायित्वों के साथ अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक परियोजना संचालक आत्मा समिति जिला धार के पद का प्रभार अतिरिक्त रूप से सौंपा गया है।

समर्थन मूल्य के अंतर की राशि का भुगतान राज्य सरकार करेगी

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि भावांतर भुगतान योजना भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान अंतर्गत प्राईस डिफिसिट स्कीम के तहत संचालित की जा रही है। प्रदेश के किसानों की खरीफ 2025 में उत्पादित सोयाबीन उपज मंडियों में नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से विक्रय होने पर विक्रय दरध्मॉडल प्राइस से प्राप्त राशि एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य के अंतर की राशि की प्रतिपूर्ति मध्यप्रदेश शासन द्वारा की जाना है। इस योजना के अंतर्गत समर्थन मूल्य तथा मॉडल प्राईस की भावांतर की राशि का भुगतान भारत सरकार ध्राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। मंडी समिति में किसानों द्वारा अपनी सोयाबीन उपज नीलामी किये जाने के उपरांत व्यापारी द्वारा राशि का भुगतान उसी दिन किसान को किया जायेगा। किसानों को शासन द्वारा देय भावांतर राशि का भुगतान समय–सीमा में करने के लिए मंडी बोर्ड द्वारा अस्थाई रूप ऋटा की व्यवस्था की जायेगी, जिसकी प्रतिपूर्ति भारत सरकारध्राज्य सरकार द्वारा निर्धारित समय अवधि में जायेगी। इस योजना के तहत मंडी बोर्ड पर किसी तरह का अतिरिक्त व्यय–भार नहीं आयेगा।

HIPPO हिप्पो कॉरपोरेशन का वार्षिक उत्सव सम्पन्न

विगत दिनो इन्दौर के आनन्द माथुर समाग्रह में हिप्पो कॉरपोरेशन का वार्षिक उत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ। देश की कई गणमान्य हस्तियो ने इस कार्यकम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। धोलेरा, इन्दौर व राऊ प्रोजेक्टस में उपलब्धि प्राप्त लोगो को चैक व उपहार से सम्मानित किया गया। श्री सुमित मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। सोना–उगले मिटटी के प्रधान सम्पादक श्री देवराज चौधरी इस कार्यकम में विशेष रुप से उपस्थित थे।

श्री देवांशु चौधरी हुए 35 वर्श के

सोना उगले मिटटी के प्रधान सम्पादक श्री देवराज चौधरी के पुत्र व मोबडिजिटल, धार्मिक देव व अन–फिल्टर्ड यूटयूब चैनल के स्वामी श्री देवांशु चौधरी का परिवार व स्टाफ के मेम्बर्स ने 35 वॉ जन्म दिन केक काटकर धूमधाम से मनाया व उन्हें बधाई प्रेषित की।

पुण्य-स्मरण

श्रीमती अनुसुईया चौधरी

हर पल याद करते है उस ममतामयी आत्मा को जिसके लालन पालन से हम पहुंचे है इस मुकाम पर...

सादर श्रद्धांजलि करते है अर्पित

श्रद्धावत

समस्त चौधरी परिवार – सोना–उगले मिटटी, पत्रौदा एवं मोबिटल डीजिटल परिवार

पुण्य-स्मरण

स्व. श्री रोशनलाल चोपड़ा

हर पल याद करते है उस ममतामयी आत्मा को जिसके लालन पालन से हम पहुंचे है इस मुकाम पर...

सादर श्रद्धांजलि करते है अर्पित

श्रद्धावत

समस्त चोपड़ा, चौधरी व अरोरा परिवार

पुण्यस्मरण पर विनम्र श्रद्धांजलि

निर्वाण– 12.12.2016

श्री मुनीश्वर राज चौधरी

(आर्म्स डीलर)

धरती सा धीरज दिया, आसमान सी ऊचाई है, जिन्दगी को तरसा के खुदा ने ये तस्वीर बनाई है, हर दुःख वो बच्चो का खुद पे वह लेते है, उस खुदा की प्रतिमा को हम पिता कहते है।

श्रद्धानवत: समस्त चौधरी परिवार, रिश्तेदार एवं मित्रगण।

डॉ. लखराम चौधरी एण्ड सन्स (आर्म्स डीलर)

प्रतिष्ठान: ज्ञानमन्दिर हायर सेकण्डरी स्कूल

प्याज की खेती कैसे करे और प्याज की खेती से अच्छी कमाई केसे करें सम्पूर्ण जानकारी

प्याज की खेती से सम्बंधित जानकारी प्याज की खेती सब्जी फसल के रूप में की जाती है द्य इसके फल पौधों की जड़ो में पाए जाते है द्य इसके अलावा प्याज को कई जगहों पर कांदा नाम से भी पुकारते है द्य प्याज का इस्तेमाल सब्जी और मसाले दोनों ही रूप में करते है द्य इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते है, जिस वजह से प्याज का सेवन करना शरीर के लिए लाभकारी होता है द्य इसके अलावा इसे औषधीय रूप में भी उगाते है, जिसका इस्तेमाल दवाइयों को बनाने में भी किया जाता है द्य प्याज मुख्य रूप से रेडिएशन को कम करता है द्य गर्मियों के मौसम में लू से बचने के लिए प्याज को खाना उपयुक्त माना जाता है द्य इसकी खेती के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है द्य भारत में प्याज की फसल को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में की जाती है द्य प्याज की मांग पूरे वर्ष ही बनी रहती है, जिससे प्याज की खेती लाभकारी खेत के रूप में की जा सकती है द्य यदि आप भी प्याज की खेती करने का मन बना रहे है, तो इस लेख में आपको प्याज की खेती कैसे करे तथा प्याज से कमाई के बारे में जानकारी दी जा रही है।

प्याज की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी, जलवायु और तापमान : प्याज की खेती को किसी भी उपजाऊ मिट्टी में उगाया जा सकता है, किन्तु बलुई दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिए उपयुक्त मानी जाती है द्य प्याज को कंद के रूप में उगाया जाता है, इसलिए जलभराव वाली भूमि में इसकी खेती को नहीं करना चाहिए द्य इसकी फसल के लिए 5 से 6 पी.एच. मान वाली भूमि की आवश्यकता होती हैद्य प्याज की खेती जगह के हिसाब से सर्द और गर्म दोनों ही जलवायु में की जा सकती है, किन्तु सर्द जलवायु में की गई प्याज की खेती से अच्छी पैदावार प्राप्त हो जाती है. सर्दियों के मौसम में गिरने वाला पाला इसके पौधो के लिए हानिकारक होता है द्य प्याज की फसल अधिकतम 30 डिग्री तथा न्यूनतम 15 डिग्री तापमान ही सहन कर सकती है।

प्याज की उन्नत किस्में : वर्तमान समय में जलवायु के हिसाब से अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए कई उन्नत किस्मों को तैयार किया गया है। इसके अलावा कुछ ऐसी भी किस्में है, जिन्हे अधिक पैदावार देने के लिए तैयार किया गया है। प्याज की यह किस्में रबी और खरीफ की प्रजातियों में बाँटी गई है।

रबी प्रजाति की प्याज : रबी के समय में की गई प्याज की खेती से अधिक पैदावार प्राप्त होती है द्य यह किस्म सर्दियों के मौसम में उगाई जाती है, जिनकी रोपाई नवंबर और दिसंबर के महीने में की जाती है द्य रबी के मौसम में उगाई जाने वाली किस्में इस प्रकार है :– पूसा रतनार, एग्रीफाउंड लाइट रेड, एग्रीफाउंड रोज, भीमा रेड, भीमा शक्ति और पूसा रेड आदि।

खरीफ प्रजाति की प्याज : खरीफ प्रजाति की किस्मों को बहुत कम उगाया जाता है द्य इसके प्याज की रोपाई मई और जून माह के मध्य में की जाती है द्य खरीफ के मौसम में भीमा सुपर, पूसा व्हाइट राउंड, एग्रीफाउंड डार्क रेड और भीम डार्क रेड किस्मों को उगाने के लिए तैयार किया गया है।

एग्रीफाउंड डार्क रेड : प्याज की इस किस्म को गर्मियों के मौसम में उगाया जाता है, इस किस्म के पौधो को भारत में लगभग सभी जगहों पर उगाया जाता है द्य इसके कंद आकार में गोलाकार होते हैं, जो बीज रोपाई के तकरीबन 100 से 110 दिन बाद पैदावार देने के लिए तैयार हो।

लहसुन के रोग व रोकथाम

प्रमुख कीट

थ्रिप्स– यह छोटे और पीले रंग के कीट होते है जो पत्तियों का रस चूसते है। जिससे इनका रंग चितकबरा दिखाई देने लगता है। इनके प्रकोप से पत्तियों के शीर्ष भूरे होकर एवं मुरझाकर सूख जाते हैं।

नियंत्रणः इस कीट के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 5 मिली./15 ली. पानी या थायेमेथाक्झाम 125 ग्राम / हे. + सेंडोविट 1 ग्राम प्रति लिटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अन्तराल पर छिडकाव करना चहिए।

शीर्ष छेदक कीट– इस कीट की मैगट या लार्वी पत्तियों के आधार को खाते हुये शल्क कंद के अंदर प्रवेश कर सड़न पैदा कर फसल को नुकसान पहुँचाती है।

नियंत्रणः 1. उपयुक्त फसलचक्र व उन्नत तकनीक से खेती करें। 2. फोरेट 1–1.5 कि.ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में छिडक कर मिलावें। 3. इमिडाक्लोप्रिड 5 मिली./ 15 ली. पानी या थायेमेथाक्झाम 125 ग्राम / हे. + सेंडोविट 1 ग्राम प्रति लिटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अन्तराल पर छिडकाव करना चहिए।

प्रमुख रोग

बैंगनी धब्बा– बैंगनी धब्बा रोग (पर्पिल ब्लाच) इस रोग के प्रभाव से प्रारम्भ में पत्तियों तथा उर्ध्व तने पर सफेद एवं अंदर की तरफ धब्बे बनते है, जिससे तना एवं पत्ती कमजोर होकर गिर जाती है। फरवरी एवं अप्रेल में इसका प्रकोप ज्यादा होता है।

रोकथाम एवं नियंत्रणरू 1. मैकोजेब कार्बोडिजम 2.5 ग्राम दवा के सममिश्रण से प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार कर बुआई करें। 2. मैकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी या कार्बेडिजम 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से कवनाशी दवा का 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिडकाव करें। 3. रोग रोधी किस्म जैसे जी–50, जी–1, जी 323 लगावें।

झुलसा रोग– रोग से प्रकोप की स्थिति में पत्तियों की उध्व स्तम्भ पर हल्के नारंगी रंग के धब्बे बनते है।

नियंत्रणः मैकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी या कार्बेंडज्म 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से कवनाशी दवा का 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिडकाव करें अथवा कापर आक्सीक्लोराईड 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी सेंडोविट 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से कवनाशी दवा का 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिडकाव करें।

आलू की खेती की सम्पूर्ण जानकारी, कैसे कम करे लागत और कमाए ज्यादा मुनाफा

धान की कटाई के साथ ही ज्यादातर क्षेत्रों में आलू की बुवाई शुरू हो जाती है, लेकिन कई बार किसान महंगा खाद बीज तो डालता है, खेती में मेहनत भी करता है, लेकिन अच्छी उपज नहीं मिल पाती। ऐसे में किसान शुरू से ही कुछ बातों का ध्यान रखकर आलू की खेती से बढ़िया मुनाफा कमा सकते हैं। आलू की खेती की शुरुआत खेत की तैयारी से लेकर बीज के चयन से होती है, इसलिए किसानों को शुरू से ही धान देना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र सीतापुर के कृषि वैज्ञानिक (फसल सुरक्षा) डॉ दया शंकर श्रीवास्तव और आलू की खेती के लिए कई बार सम्मानित किए गए कानपुर के प्रगतिशील किसान भंवर पाल सिंह आलू की खेती का गणित बता रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉ दया शंकर श्रीवास्तव बताते हैं, "जो किसान आलू की खेती करना चाहते हैं, कुछ ऐसे भी किसान होंगे जो पहले से आलू की खेती करते आ रहे होंगे और नए किसान भी जुड़ते हैं जो आलू की खेती करना चाहते हैं। जो नए किसान हैं उन्हें मैं बताना चाहूंगा। सबसे पहले मिट्टी की जांच करा लेनी चाहिए। जिस खेत में आप आलू की खेती करने वाले हैं, क्या वो भूमि आलू की खेती के लिए सही है।" वो आगे कहते हैं, "इसके लिए सबसे जरूरी है, मिट्टी की जांच करा लें, अगर मिट्टी की जांच नहीं हो पायी है तो देखना चाहिए कि खेती की मिट्टी बलुई दोमट होनी चाहिए और पीएच की जांच आसानी से हो जाती है अगर मिट्टी का पीएच मान छह से आठ के बीच में है और उचित जल निकास वाली मृदा है पानी अच्छी तरह से खेत से निकल जा रहा है तो खेत आलू की खेती के लिए सही है।" आलू ही नहीं किसी भी खेती की शुरुआत करते समय ये देखना चाहिए की खेत की मिट्टी का स्वास्थ्य कैसा है। इसलिए ये देखना होगा कि खेत में ऑर्गेनिक कॉर्बन यानी की जीवांश की मात्रा कितनी है। खेत की मिट्टी में जैविक खाद जैसे वर्मी कम्पोस्ट, गोबर की खाद या मुर्गी की खाद डालेंगे तो आपके खेत का आलू हरा नहीं होगा। मीठा नहीं होगा, उत्पादन अच्छा होगा और कीट और बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी ज्यादा रहेगी। इसलिए मिट्टी में जितना हो सके जैव उर्वरकों का प्रयोग करें।

अपने क्षेत्र के हिसाब से करें रोग मुक्त बीजों का चयन करें : आलू के खेत में बीजों का चयन सबसे जरूरी होता है। खेत की तैयारी के बाद सबसे जरूरी काम होता है, अच्छी गुणवत्ता के रोगमुक्त बीज का चयन करना। "आलू में सबसे बड़ी समस्या अगेती और पछेती झुलसा रोग की होती है। इससे किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। तो इसके लिए हमें पहले से तैयारी करनी होगी। इसके लिए कई सारी अवरोधी किस्में भी हैं। इसलिए अगर आप पहली बार आलू की खेती करने जा रहे हैं तो बुवाई के लिए अवरोधी किस्मों का ही चयन करें। ताकि इन प्रजातियों में बीमारी से लड़ने की क्षमता हो। इसलिए आप सामान्य आलू की किस्मों से ही खेती की शुरुआत करिए।"

बीज और भूमि शोधन भी जरूरी : आलू की खेती में बीज शोधन के साथ ही भूमि शोधन भी बहुत जरूरी होता है। जैविक और रसायनिक दोनों विधियों से बीज का शोधन कर सकते हैं। अगर आप जैविक तरीके से बीज का शोधन करते हैं तो ट्राईकोडर्मा और स्यूडोमोनास दोनों को पांच मिली प्रति लीटर पानी में थोड़े से गुड़ को मिलाकर घोल लेते हैं और किसान रसायनिक तरीके से बीज शोधन करते हैं तो कार्बेंडजिम से दो ग्राम प्रति लीटर के हिसाब से बीज का शोधन कर सकते हैं। इसमें कई तरह के कीटों की समस्या भी आती है, इसलिए क्लोरोपाइरीफास को दो मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर शोधन कर सकते हैं। ये तो बीज का शोधन हो गया है। अब बारी आती है, जिस खेत में आलू की बुवाई करनी है उसके शोधन की, क्योंकि उसमें पहले से ही कई तरह के जीवाणु या फिर फंफूदी रहती है। तो इसके लिए एक कुंतल गोबर की खाद लेकर उसमें एक–दो लीटर ट्राईकोडर्मा और एक दो किलो गुड़ लेकर उसका घोलकर बनाकर दस बारह दिनों के लिए छोड़ दें। 10–12 दिनों में वो पूरी खाद में फैल जाएगा। इसी के साथ ही बिवेरिया बेसियाना लेकर एक कुंतल गोबर की खाद लेकर एक दो किलो गुड़ का घोल डालकर उसे छाया में रख दें। 10–12 दिन के लिए इसे भी रख दें, साथ ही मेटाराइजियम को भी एक कुंतल गोबर की खाद में मिलाकर रख दें। अब दस–बारह दिनों के बाद इन तीनों को एक साथ मिलाकर खेत की तैयारी के समय पूरे खेत में मिला दें। इससे आपके खेत की आधी समस्या खत्म हो जाएगी। प्रगतिशील किसान भंवर पाल सिंह आलू की खेती का अपना अनुभव साझा करते हैं, "जिस खेत में आलू की बुवाई करनी हो, उस खेत में उड़द जैसी दलहनी फसलें एक बार जरूर लगानी चाहिए, ताकि मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा बरकरार रहे और सनई, ढैंचा जैसी हरी खाद का भी प्रयोग जरूर करना चाहिए। गर्मी में एक बार खेत की गहरी जुताई कर लें, जिससे खेत में कीट पतंगे मर जाएं।

बुवाई का सही तरीका : बुवाई के लिए 25–26 मिमी से 45 मिमी का बीज होना चाहिए। कोशिश करें कि बीज काटकर न बोना पड़े, लेकिन अगर बीज 45 से 50 तक होता है तो बीज काटना ही पड़ता है। अगर हम सीड के लिए बुवाई कर रहे हैं तो बिल्कुल न काटें, भले ही उनकी दूरी बढ़ा दें। खेत एक दम साफ सुथरा होना चाहिए, मिट्टी भुरभुरी होनी चाहिए। अगर हम मशीन से बोते हैं तो दस–बारह कुंतल प्रति एकड़ बीज लगता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान : समय से बुवाई और रोग मुक्त बीजों का ही चयन करें। आलू का सबसे भयंकर रोग होता है पछेती झुलसा रोग। अगर किसान आलू के बीज की खेती करते हैं तो जनवरी फरवरी में सफेद मक्खी का खतरा रहता है, इसलिए आलू की फसल के सारे पत्ते काट देने चाहिए। कोशिश करिए कि कम से कम पेस्टीसाइड या इंसेक्टिसाइड डालना पड़े, इसलिए सबसे जरूरी है, नियमित रूप से खेत का निरीक्षण करते रहे हैं।

किसानों के लिए मटर की उन्नत किस्में एवं खेती की जानकारी

खरीफ फसलों की कटाई के साथ ही रबी फसलों की बुआई का समय हो गया है। ऐसे में अधिक आय अर्जित करने के लिए किसानों को फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का चयन कर समय पर वैज्ञानिक तरीके से खेती करना चाहिए। मटर की बुआई का उपयुक्त समय अक्टूबर के अंत से लेकर 15 नवंबर तथा मध्य भारत के लिए अक्टूबर का प्रथम पखवाड़ा है। ऐसे में जो भी किसान इस वर्ष मटर की खेती करना चाहते हैं वह किसान नई विकसित किस्मों का चयन कर उनकी बुआई करें।

उन्नत एवं विकसित किस्में

किसान इस वर्ष भारत के विभिन्न क्षेत्रों व परिस्थितियों के लिए अनुमोदित मटर की उन्नत प्रजातियों जैसे–एचएफपी 715, पंजाब–89, कोटा मटर 1, टाइपीएफडी 12–8, टाइपीएफडी 13–2, पंत मटर 250, एचएफपी 1428 (नई प्रजाति), पूसा प्रभात, पूसा पन्ना, एच.यू.डी.पी. 15, सपना, वी.एल. मटर 42 एवं सपना किस्मों की बुआई माह के दूसरे पखवाड़े में करें।

बीज दर एवं बीज उपचार

मटर के छोटे दाने वाली प्रजातियों के लिए बीज दर 50–60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दाने वाली बीज प्रजातियों के लिए 80–90 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर पर्याप्त है। मटर की बुआई से पूर्व मृदा एवं बीज जनित कई कवक एवं जीवाणु जनित रोग होते हैं, जो अंकुरण होते समय तथा अंकुरण होने के बाद बीजों को काफी क्षति पहुँचाते हैं। बीजों के अच्छे अंकुरण तथा स्वस्थ पौधे की पर्याप्त संख्या हेतु बीजों को केवकनाशी से उपचारित करना चाहिए बीज जनित रोगों के नियंत्रण हेतु थीरम 75 प्रतिशत कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत (2रू1) 3.0 ग्राम, अथवा ट्राईकोडर्मा 4.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित कर बुआई करनी चाहिए।

खाद–उर्वरक का छिड़काव

सामान्य दशाओं में मटर की फसल हेतु नाइट्रोजन 15–20 किलोग्राम, फॉसफोरस 40 किलोग्राम, पोटाश 20 किलोग्राम तथा गंधक 20 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है। मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होने पर 15–20 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर तथा 1.0–1.5 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट के प्रयोग करना चाहिये।

मटर में खरपतवार नियंत्रण

पौधों की पंक्तियों में उचित दूरी खरपतवार की समस्या के नियंत्रण में काफी सहायक होती है। एक या दो निराई–गुड़ाई पर्याप्त होती है। पहली निराई प्रथम सिंचाई के पहले तथा दूसरी निराई सिंचाई के उपरांत ओट आने पर आवश्यकतानुसार करनी चाहिए। बुआई के 25–30 दिनों बाद एक निराई–गुड़ाई अवश्य कर दें। खरपतवारों के रासायनिक नियंत्रण हेतु फ्लूक्लोरेलीन 45 प्रतिशत ई.सी. की 2.2 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर लगभग 800–1000 लीटर पानी में घोलकर बुआई के तुरंत पहले मृदा में मिलानी चाहिए अथवा पेंडामेथलीन 30 प्रतिशत ई.सी. की 3.30 लीटर अथवा एलाक्लोर 50 प्रतिशत ई.सी. की 4.0 लीटर अथवा बासालिन 0.75–1.0 किलोग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर उपरोक्त अनुसार पानी में घोलकर छिड़काव करें।

35 वर्षों से बीज व्यवसाय में अग्रणी
गुप्ता इंटरप्राइजेस
अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर्स

1. MAHYCO PVT. LTD., JALNA
2. J.K. AGRIGENETICS LTD., HYDERABAD
3. ADVANTA ENTERPRISES LTD.
4. NAMDHARI SEEDS PVT. LTD., BANGLORE
5. TOKITA SEED PVT. LTD.
6. BOMBAY SUPER HYBRID SEEDS LTD., RAJKOT
7. GREEN GOLD SEEDS PVT. LTD., AURANGABAD
8. DAFTARI SEEDS PVT. LTD., SELOO
9. MAHARASHTRA TRADERS, JALGAON (PRASHANT)
10. T. STANES & CO. LTD., COIMBATORE
11. NUZIVEEDU SEEDS LTD., HYDERABAD
12. VNR SEEDS PVT. LTD., RAIPUR
13. PRABHAT AGRIBIOTECH LTD., HYDERABAD
14. VERDESIAN INDIA (CYTOZYME)
15. HALDIGHATI SEEDS CORPN., KANKROLI
16. NUGENES PVT. LTD., HYDERABAD
17. EAST WEST SEED INDIA PVT. LTD. AURANGABAD
18. SHREE PARMESHWARA MACHINE TOOLS, RAJKOT (PMT)
19. SURINDRA SEEDS FARM, PANIPAT
20. SEED WORKS INTERNATIONAL PVT. LTD. HYDERABAD
21. ECONS CROP PROTECTIONS PVT. LTD., AHMEDABAD
22. SHRIRAM FERTILISERS CHEMICALS, NEW DELHI (DCM GROUP)
23. INDO AMERICAN HYBRID SEEDS (INDIA PVT. LTD., BANGLORE
24. AJEET SEEDS PVT. LTD., AURANGABAD
25. UPSURGE SEEDS OF AGRICULTURE LTD., RAJKOT
26. CORTEVA AGRI SCIENCE SEEDS PVT. LTD., HYDERABAD
27. NIRMAL SEEDS PVT. LTD., PACHORA
28. RALLIS INDIA LTD. (DHANYA)
29. AMRIT GOLD AGRITECH (I), INDORE
30. AG NUTRI U.P. AHMEDABAD
31. SEE CIBA CROP SCIENCE, SECUNDERABAD (UP)
32. REMIK AGRI SEEDS PVT. LTD., AHMEDABAD
33. GREEN GOLD AGRI & BIOTECH PVT. LTD. INDORE
34. COROMANDEL INTERNATIONAL LTD., HYDERABAD
35. MONSANTO HOLDING PVT. LTD. BANGALORE (SEMINIS)
36. BEST AGROLIFE LTD., DELHI
37. ADAMA INDIA PVT. LTD., TELANGANA
38. UPL SAS LTD. INDORE,MUMBAI
39. BAYER CROP SCIENCES LTD., THANE
40. KAVERI SEEDS CO. LTD. HYDERABAD
41. SIRA SEED (A BRAND OF RASI SEEDS), HYDERABAD
42. CHEMINOVA INDIA LTD., MUMBAI
43. RUTU CROP CARE PVT. LTD. RAJKOT

सहयोगी संस्थान
बीज वितरक : पूजा इंटरप्राइजेस | सी एंड एफ एजेंट : गुप्ता सेल्स कार्पोरेशन / लक्ष्य मार्केटिंग
हेड ऑ.: 233 व 315-320, प्रेम ट्रेड सेंटर, महारानी रोड, इंदौर (म.प्र.), मो.: 9425063767 (आर.आर. गुप्ता), 9425316751 (अजय गुप्ता), 9425402984 (सूरज गुप्ता)

AAS
Annapurna Agro Sales
सभी प्रकार के हाईब्रीड बीज एवं दोस्त के थोक विक्रेता
डिस्ट्रीब्यूटर :
जे.के. एग्रीजैनेटिक्स (बैंगलोर)
श्रीराम बायोसीड्स (हैदराबाद)
धान्या सीड्स लिमिटेड (बैंगलोर)
एम.एस.एम. एग्रो सीड्स (दिल्ली)
सोलाइज सीड्स (हैदराबाद)
दिव्यन सीड्स हिम्मतनगर (गुजरात)
निर्मल सीड्स (महाराष्ट्र)
टाकाकोम सीड्स (दिल्ली)
उत्सवमिती सीड्स, गांधीनगर (गुजरात)
इर्स्टोय सीड्स, अहमदाबाद (गुजरात)
इन्डम सीड्स, बैंगलोर
चेंपेज पोकेवा सीड्स (थाईलैंड)
वेलकम सीड्स, बैंगलोर
ग्लोबल सीड्स (दिल्ली)
अवस्थी सीड्स, कानपुर (उ.प्र.)
गारंटी सीड्स दिल्ली
कावलीवर्धक सीड्स हिसार (हरियाणा)
विनायक सीड्स, कानपुर (उ.प्र.)
इफ्सा सीड्स, श्रीगंगानगर (गुजरात)
सहयोगी प्रतिष्ठान :
एम.एल. गोयल एंड सन्स
वी.एम. ट्रेडर्स एण्ड एल.एल.पी
H.O.: 112, Vaibhav Chamber, 7/1, Ushaganj, Chawni, Indore-452 001 Mob.: 94250-77316
Branch Office : 278/4 SDA Compound, Kailod Hala, Dewas Naka, Indore Mob.: 9893566100, 9977007526

कृषि महाविद्यालय सीहोर के कन्या छात्रावास एवं ऐरोपोनिक्स इकाई का लोकार्पण खेती की जैविक पद्धतियों को अपनाएँ

सीहोर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि किसान को खेती की जैविक पद्धतियों, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करें। कृषि की आधुनिक तकनीक और नई शोध पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन की क्वालिटी और क्वांटिटी बढ़ाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि अब समाज में लोगों का रूझान जैविक उत्पादों की ओर बढ़ रहा है। राज्यपाल श्री पटेल कृषि महाविद्यालय सीहोर के कन्या छात्रावास एवं ऐरोपोनिक्स इकाई के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंसाना भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्राकृतिक खेती, भूमि एवं पर्यावरण हितैषी कृषि पद्धति है, जो भूमि की उर्वरता बनाए रखती है। इसके लिए समय–समय पर वर्मी कंपोस्ट का उपयोग भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि वे किसानों की आय बढ़ाने वाली उन्नत बीजों और नई तकनीकों पर अनुसंधान करें। राज्यपाल श्री पटेल ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शोध और नवाचार की भावना के साथ मेहनत से कार्य करने का संदेश दिया।

सीहोर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि किसान को खेती की जैविक पद्धतियों, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करें। कृषि की आधुनिक तकनीक और नई शोध पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन की क्वालिटी और क्वांटिटी बढ़ाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि अब समाज में लोगों का रूझान जैविक उत्पादों की ओर बढ़ रहा है। राज्यपाल श्री पटेल कृषि महाविद्यालय सीहोर के कन्या छात्रावास एवं ऐरोपोनिक्स इकाई के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंसाना भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्राकृतिक खेती, भूमि एवं पर्यावरण हितैषी कृषि पद्धति है, जो भूमि की उर्वरता बनाए रखती है। इसके लिए समय–समय पर वर्मी कंपोस्ट का उपयोग भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि वे किसानों की आय बढ़ाने वाली उन्नत बीजों और नई तकनीकों पर अनुसंधान करें। राज्यपाल श्री पटेल ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शोध और नवाचार की भावना के साथ मेहनत से कार्य करने का संदेश दिया।

प्रदेश में किसान कल्याण की अनेक योजनाएं संचालित : श्री कंषाना

कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा खेती के विकास और किसानों के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का विशेष प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में कुलगुरु श्री अरविन्द कुमार शुक्ला ने कृषि महाविद्यालय तथा राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस कृषि वैज्ञानिक, विद्यार्थी, अधिकारी तथा किसान उपस्थित थे।

ब्राह्मी
देशी गौ
दुग्धामृतम्
Our Products : Pure Ghee, Paneer, Curd Etc.
Book your delivery today!
8602125001, 9201247783

Raw & Unprocessed Honey
Baiso®
ORGANICS
Baiso Organics Brings you the Best Quality of Organic and Natural Products Range Like Organics Honey, Mustard Oil, Sesame Oil Bajra Atta, Jowar Atta & Many More
baiso.organics
Baiso Organics
Baiso Organics
baisoorganics@gmail.com
www.baisoorganics.com
Contact : 9755544335, 7827717821

हीरे सी खरी स्वाद की शुध्दता
51 CARAT
शिव इंटरप्राजेस
71/2, शीतल नगर, किला मैदान रोड, इंदौर (म.प्र.)
मो.: 9926025059, 7999996811
Email : 51caratmasale@gmail.com
डीलरशिप हेतु व्यापारिक पूछताछ आमंत्रित है।

श्री दीप ज्योति नेचुरल्स
आदर्श ग्राम–खेरखेड़ा
कच्ची घाणी तेल युनिट लकड़ी की घाणी से निर्मित
श्री दीप ज्योति किसान प्रोड्यूसर कम्पनी लि
जैविक किसानो की अपनी कम्पनी
पता– ग्राम खेरखेड़ा तह. सतवास जिला–देवास (म.प्र.) 455–338
प्रो.डॉ. रामभरोस बैरागी : 9770745230

M2
M2 COOLING SOLUTION
Manoj Shankwar
Founder & CEO
Cooling Towers Systems
ETP & STP Plants
Chillars Systerm
ADD : 60, NEW DEWAS ROAD INDORE (M.P.)
ADD : KIRLOSKAR IND. AREA, UJJAIN ROAD, DEWAS
ADD : PROGRESSIVE PARK, SECTOR E NEAR VINAYAK TOL KATA, SANWER RD., INDORE

EXTREME
PACKAGING MACHINES
Download the App
App Store
Google Play
CONTACT : +91-7828298400, 6261303140, 7828460057

श्रीधी दूध
दूध । घी
CELEBRATING 5 YEARS
Pawanshree Food International Pvt. Ltd.
H.O.: 164, Bhagwandin Nagar, Behind Sapna Sangeeta (INOX), Indore - 452001 (M.P.)
Plant: 68-A, Industrial Area, Makshi, Shajapur - 465106 (M.P.)
ShreedhiMilk
+91-7869901999
www.shreedhi.in

Smart Pack®
Complete Packaging Solution
पैकेजिंग में नया क्या है ???
International Quality Packaging Product Range
Download the App SMART PACK INDIA
Google play
App Store
Smart Packaging System
Business Enquiries Solicited

A Trusted Destination For Your Get Together
Reception
Cilantro
Banquet
Lounge
Suite Room
Room 1
Lawn
Wash Room
Facilities
100+ People in Banquet Nipania & 200 at Teen Imli & 2500+ In Lawn Nipania 600 People at Teen Imli (Ideal Place for Conference & Family Programs)
Rahul Kumar - Mob. : 98934 49187
Survey No. 348/5, 348/6 and 349/4, Village Chitovad, Palda Road, Teen Imli Square, Ring Road, Indore-452001 MP www.jordinhotels.com
JARDIN HOTELS
Mahesh Bhandari - Mob. : 99931 62889
43/9 Tulsi Nagar, Nipania, Indore
0731 355 0000
www.jordinhotels.com

अनंत
ब्रांड मशीन्स
RAJ WORKS & INDUSTRIES
RWI

हल्दी

मसालों के मामले में भारत एक धनी देश है। यहां अलग–अलग व्यंजनों के लिए सामान्य से लेकर खास मसालों का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, इनमें कुछ ऐसे भी मसाले हैं, जिन्हें अपने औषधीय गुणों की वजह से आर्युवेद में विशेष स्थान दिया गया है। हल्दी इन्हीं में से एक है। माना जाता है कि स्वास्थ्य के लिए हल्दी के फायदे अनेक हैं। यही वजह है कि स्टाइलक्रेज के इस लेख में हम हल्दी के औषधीय गुण बताने जा रहे हैं। यहां आप जान पाएंगे कि सामान्य सी दिखने वाली हल्दी का उपयोग किस प्रकार शरीर को लाभ पहुंचाने का काम कर सकता है। हल्दी के फायदे के साथ इस लेख में हल्दी के नुकसान के बारे में भी बताया गया है। लेख को पढ़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि हल्दी किसी भी बीमारी का इलाज नहीं है, यह केवल समस्या से बचाव और उनके प्रभाव को कुछ हद तक कम करने में मददगार हो सकती है।

हल्दी के औषधीय गुण अनेक हैं, जिनमें एंटीइन्फ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीट्यूमर, एंटीसेप्टिक, एंटीवायरल, कार्डियोप्रोटेक्टिव (ह्रदय को स्वस्थ रखने वाला गुण), हेपटोप्रोटेक्टिव (लिवर स्वस्थ रखने वाला गुण) और नेफ्रोप्रोटेक्टिव (किडनी स्वस्थ रखने वाला गुण) गुण मुख्य हैं । हल्दी का उपयोग शरीर के लिए प्रकार लाभदायक हो सकता है।

अश्वगंधा

क्या आप जानते हैं कि एक प्राचीन जड़ी–बूटी आपके समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की कुंजी हो सकती है? अश्वगंधा, एक शक्तिशाली एडाप्टोजेनिक पौधा है, जिसने अपने व्यापक स्वास्थ्य लाभों के लिए लोकप्रियता हासिल की है। इस उल्लेखनीय जड़ी–बूटी का उपयोग सदियों से आयुर्वेदिक चिकित्सा में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता रहा है। मानसिक स्वास्थ्यआज, दुनिया भर में लोग कई तरीकों से अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए अश्वगंधा की क्षमता की खोज कर रहे हैं।

अश्वगंधा के लाभ पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए हैं, जो स्वास्थ्य के लिए एक प्राकृतिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। चिंता और तनाव को कम करने से लेकर ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने और वजन घटाने में सहायता करने तक, इस बहुमुखी जड़ी बूटी में बहुत कुछ है। आइए अश्वगंधा के उपयोग, इसके स्वास्थ्य लाभों और इसे अपनी दिनचर्या में कैसे शामिल करें, इस पर चर्चा करें। चाहे आप अपने शारीरिक प्रदर्शन, मानसिक स्पष्टता या समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाना चाहते हों, अश्वगंधा यह प्राकृतिक समाधान हो सकता है जिसकी आपको तलाश है।

एलोवेरा के फायदे, नुकसान व औषधीय गुण

एलोवेरा को एक औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है. एलोवेरा की बहुत सारे फायदे है, चाहे वह त्वचा की बीमारी हो या या पेट की। एलोवेरा का उपयोग कई बीमारियों से निजात पाने के लिए किया जाता है। एलोवेरा में आयुर्वेदिक औषधि गुण मौजूद होते हैं जो हमें बीमारियों को खत्म करने में सहायता मिलती है। यलिए एलोवेरा के फायदे के तथा एलोवेरा से क्या नुकसान हो सकते हैं, इसके बारे में जानने वाले हैं।

१) एलोवेरा खांसी जुकाम में फायदेमंद

एलोवेरा खांसी जुकाम में बहुत ही असरदार काम करता है। लेकिन आपको यह पता होना आवश्यक की एलोवेरा का खांसी जुकाम में किस तरीके से उपयोग करें। सबसे पहले आपको एलोवेरा के पौधे का जूस निकालना है। उसके बाद एलोवेरा के जूस के साथ सेंधा नमक मिलाकर राख बना ले, तथा रात को सुबह शाम पांच 5 – 5 ग्राम मुनक्का के साथ सेवन करें आपको सर्दी जुकाम में जल्दी आराम मिलेगा।

2) एलोवेरा सिर दर्द में फायदेमंद

हमने आयुर्वेदिक डॉक्टर से सुना है, कि एलोवेरा का उपयोग सिर दर्द के लिए किया जाए तो काफी फायदेमंद हो सकता है। इसका उपयोग कुछ इस प्रकार से करना है– सबसे पहले आपको एलोवेरा का जेल ले लेना तथा इसमें थोड़ी सी मात्रा में दारूहल्दी का चूर्ण को मिला ले, तथा इसे गर्म करके पीड़ा वाले जगह पर लगा ले, आपको जल्द ही आराम मिलेगा।

३) एलोवेरा कब्ज में फायदेमंद–

एलोवेरा पेट से संबंधित कई विकारों से छुटकारा दिलाता है, लेकिन आपको ज्ञात होना चाहिए, कि कब्ज से छुटकारा पाने के लिए किस तरीके से एलोवेरा का इस्तेमाल करना चाहिए। एलोवेरा का जेल निकालकर पीने से कब्ज से छुटकारा मिल सकता है।

४) एलोवेरा आंखों के लिए फायदेमंद

एलोवेरा आंखों के लिए काफी अच्छा माना जाता है। आयुर्वेद में इसका प्रयोग किया जाता है, आंखों के लिए आप एलोवेरा के गुदे को निकालकर उसमें थोड़ी सी हल्दी को गर्म कर ले, और इसे आंखों पर बांध ले इससे आपके आंखों पर होने वाली लालिमा तथा आंखों में होने वाली सूजन को कम करता है।

५) एलोवेरा कान के लिए फायदेमंद

यदि किसी को कान दर्द की समस्या है, तो इससे निजात पाने के लिए आप एलोवेरा का जूस हल्का गुनगुना करके जिस कान में दर्द हो उस कान में दो बूंद डालने से कान का दर्द कम होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर किसान संघ, भाजपा पदाधिकारी, उज्जैन के जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन उज्जैन के साथ बैठक कर सिंहस्थ के आयोजन को लेकर समग्र रूप से चर्चा की। बैठक में सिंहस्थ का आयोजन दिव्य, भव्य और विश्व स्तरीय करने के लिये हर संभव प्रयास करने पर सहमति बनी, जिसमें साधु–संतों, किसानो के हितों का व्यापक रूप से ध्यान रखा जायेगा। चर्चा के बाद सिंहस्थ लैंड पूलिंग को निरस्त करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगरीय प्रशासन विकास विभाग और जिला प्रशासन को आदेश जारी करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री का किसान संघ ने स्वागत कर आभार व्यक्त किया

बैठक में वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, किसान संघ की और से सर्वश्री महेश चौधरी, कमल सिंह आंजना, अतुल माहेश्वरी, लक्ष्मी नारायण पटेल, भरत बैस, रमेश दौंगी, बीजेपी संगठन की और से नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, जिला महामंत्री श्री कमलेश बैरवा, महामंत्री श्री जगदीश पांचाल और श्री आनंद खींची उपस्थित रहे। किसान संघ द्वारा मुख्यमंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुये आभार व्यक्त किया गया।

24 साल पुराना नियम खत्म, अब दो से ज्यादा बच्चे होने पर सरकारी नौकरी खोने का डर नहीं

भोपाल। मप्र सरकार बड़ा फैसला लेने जा रही है। इसके मुताबिक अब सरकारी कर्मचारियों के लिए दो से ज्यादा बच्चे होने पर नौकरी जाने का डर खत्म हो जाएगा। राज्य सरकार ने साल 2001 से चली आ रही दो बच्चे की सीमा को हटाने का निर्णय लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने हाल ही में इस प्रतिबंध को पूरी तरह हटाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री सचिवालय को भेज दिया गया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जैसे ही कैबिनेट इसकी मंजूरी देगी, नया नियम तुरंत लागू हो जाएगा। यह प्रतिबंध पिछले 24 साल से लगा था। इसे हटाने का समय कई लोगों को चौंकाने वाला लगा। क्योंकि, ठीक एक साल पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में कहा था कि हर परिवार में कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी थी कि बहुत कम बच्चे वाली समाज धीरे–धीरे खत्म हो जाती है और जनसंख्या संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

मोहन भागवत के इस बयान के दस महीने बाद अक्टूबर 2025 में मध्यप्रदेश सरकार ने संकेत दिया था कि वह दो बच्चे का नियम हटाने का प्रस्ताव कैबिनेट में लाएगी। अब तीन महीने की लंबी चर्चा और वरिष्ठ अधिकारियों के सुझाव के बाद यह प्रस्ताव अंतिम रूप ले चुका है। पड़ोसी राज्य राजस्थान ने यह प्रतिबंध 2016 में और छत्तीसगढ़ ने 2017 में ही हटा दिया था। अब मध्यप्रदेश भी उन्हीं के रास्ते पर चल पड़ा है। जल्द ही मध्यप्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों को यह राहत मिलने वाली है कि वे कितने भी बच्चे चाहें, रख सकते हैं, उनकी नौकरी पर कोई खतरा नहीं होगा। यह फैसला राज्य में जनसंख्या नीति और परिवार कल्याण के नजरिए से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इफको द्वारा कृषि अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का किया गया आयोजन

मुरैना जिले के कृषि अधिकारियों के लिए आज एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 115 कृषि अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर जे सी गुप्ता, प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र मुरैना थे तथा विशिष्ट अतिथि श्री श्री अनंत सरैया, उपसंचालक कृषि मुरैना थे स कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दिनेश कुमार सोलंकी राज्य विपणन प्रबंधक इफको भोपाल ने की। कार्यक्रम में आधुनिक नवीन टेक्नोलॉजी नैनो उर्वरकों के इफको द्वारा विकास एवं किसान हित में जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ाने तथा फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए नैनो तकनिकी से बने उर्वरकों के उपयोग करने की सलाह दी गई॰ कार्यक्रम में सर्वाधिक उपयोग करने वाले नैनो उर्वरकों से संतुष्ट किसानों के द्वारा भी अपने अनुभव प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम में तकनीकी जानकारी डा बी एस कैंसाना, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र मुरैना द्वारा दी गयी। श्री अनंत सरैया, उप संचालक, कृषि, मुरैना द्वारा अपने उदबोधन में कृषि फील्ड स्टाफ को अधिक से अधिक तकनिकी जानकारी अपडेट कर किसानों को सही सलाह देने पर जोर दिया तथा रासायनिक खादों के उपयोग को घटाने के लिए किसानों को जाग्रत करने का संकल्प लेने की बात कही। श्री दिनेश कुमार सोलंकी, राज्य विपणन प्रबंधक, इफको भोपाल द्वारा जमीन में जैविक कार्बन बढ़ाने पर जोर दिया तथा नैनो उर्वरकों का उपयोग बढाकर परंपरागत खादों की खपत घटाने की विधियों पर चर्चा की। डा. जे. सी. गुप्ता, प्रमुख, के वी के, मुरैना ने अपने उदबोधन में संतुलित उर्वरक प्रबंधन पर जोर देते हुए सल्फर एवं जिंक की उपयोगिता पर जोर दिया गया॰कार्यक्रम का संचालन डा. बी. एस. जादौन, मुख्य क्षेत्र प्रबंधक, इफको, मुरैना द्वारा किया गया। कार्यक्रम आयोजन में सहयोग श्री प्रदीप शर्मा, विक्रय अधिकारी, इफको बाजार ने किया गया ।

भावांतर योजना में रेकॉर्डेड 4234 रुपए सोयाबीन का मॉडल रेट

भोपाल स मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भावांतर योजना 2025 के अंतर्गत सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए आज 16 नवंबर को रेकॉर्डेड 4234 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी हुआ है। यह मॉडल रेट उन किसानों के लिए है जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है। इस मॉडल रेट के आधार पर ही भावांतर की राशि की गणना की जाएगी।

सोयाबीन के मॉडल रेट में लगातार वृद्धि जारी है। पहला मॉडल रेट 7 नवंबर को 4020 रुपए प्रति क्विंटल जारी किया गया था। इसी तरह 8 नवंबर को 4033 रुपए, 9 और 10 नवंबर को 4036 रुपए, 11 नवंबर को 4056 रुपए, 12 नवंबर को 4077 रुपए, 13 नवंबर को 4130 रुपए, 14 नवंबर को 4184 रुपए तथा 15 नवंबर को 4225 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी हुआ था।

राष्ट्रीय किसान दिवस पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (IARI) पूसा नई दिल्ली द्वारा आयोजि कार्यक्रम में कृषि कार्य में दक्षता बढ़ाना शारीरिक मेहनत कम एवं कम लागत में यंत्रीकरण के माध्यम से मुनाफा बढ़ाना विषय पर चर्चा में मुख्य पैनलिस्ट के रूप में मंचासीन होने का सुअवसर प्राप्त हुआ ।

रूबी पारीक को राष्ट्रीय सम्मान

न्यूज सर्विस/ नवज्योति, लालसोट। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के मेला ग्राउंड में 7 से 9 दिसंबर तक कृषि जागरण एवं आईसीएआर के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वैश्विक किसान सम्मेलन आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में देशभर के प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक, एग्री स्टार्टअप, कृषि कंपनियां, प्रगतिशील व नवाचारी किसान, शोधकर्ता तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसान बड़ी संख्या में शामिल हुए। सम्मेलन के मुख्य अतिथि आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट रहे। सम्मान भारत सरकार के पूर्व गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी द्वारा प्रदान किया गया। मंच पर कृषि जागरण के संस्थापक एवं एडिटर–इन–चीफ एम.सी. डोमिनिक तथा मैनेजिंग डायरेक्टर शाइनी डोमिनिक भी मौजूद रहीं। इस दौरान दौसा जिले के लालसोट उपखंड क्षेत्र के खटवा ग्राम की निवासी रूबी पारीक को प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में किए गए नवाचार, उत्कृष्ट योगदान तथा स्वस्थ समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी पहल के लिए राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। रूबी पारीक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर बार–बार दौसा का नाम आना गर्व का विषय है। कार्यक्रम में दौसा के लगभग 10 किसानों को सम्मान मिला, जबकि राष्ट्रीय अवार्ड केवल रूबी पारीक कोप्राप्तहुआ।

रणजीत धाम में हुआ मासिक पत्रिका श्री पवन पुत्र का विमोचन संपन्न

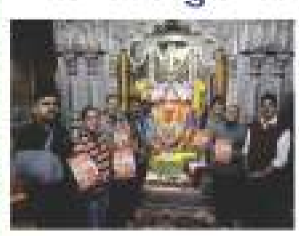

इंदौर में स्थित 141 वर्ष पुराने रणजीत हनुमान मंदिर में शहर के वरिष्ठ पत्रकारों व रणजीत बाबा के सैकड़ो भक्तों की उपस्थिति में वरिष्ठ पत्रकार बृजेश जोशी द्वारा संपादित ,प्रकाशित मासिक पत्रिका श्री पवन पुत्र के विशेष अंक का विमोचन किया गया,जो रणजीत हनुमानजी 12 दिसंबर को निकलने वाली प्रभात फेरी को समर्पित था । इस मौके पर हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी दीपेश व्यास और रितेश व्यास ने रणजीत दरबार में पूजन अर्चन के साथ पत्रिका रणजीत हनुमानजी को समर्पित की।

शोक संदेश

स्व. श्री धर्मेंद्र जी

भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत कहा गया है, जिनकी सादगी, विनम्रता और शानदार अभिनय ने कई पीढ़ियों के दिलों को छुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य हस्तियों ने उनके निधन को एक अपूरणीय क्षति बताया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्री धर्मेंद्र जी को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

शोक संदेश

स्व. श्रीमती मंजू भार्गव

(जन्म 23.06.1943 – स्वर्गवास 04.11.2025)

धर्मपत्नी, स्वर्गीय श्री सतीश चंद्र जी, पेपर ट्रेड लिंक के श्री संदीप भार्गव की माता श्री अपनी सांसारिक यात्रा को पूर्ण करके मंगलवार 4 नवंबर कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी को प्रभु के श्री चरणों में लीन हो गई है। उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्रीमती मंजू भार्गव को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

शोक संदेश

स्व. श्रीमती आदर्श सहगल

विगत दिनो श्री संदीप सहगल की माताजी का स्वर्गवास हो गया है. आप बहुत ही धार्मीक एवं मिलनसार स्वभाव की महिला थी एवं श्रीमती मधु चौधरी की परम मित्र थी। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्रीमती आदर्श सहगल को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

कृषि सहित सभी क्षेत्रों में उपयोग के लिए सरकार ने बनाई नई ड्रोन पॉलिसी : डॉ. यादव मुख्यमंत्री ड्रोन टेक वर्कशॉप एक्सपो 2025 में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र की सहायता से प्रदेश में विकास के हर संभव प्रयास जारी हैं। प्रदेश सरकार ने अपनी नई ड्रोन पॉलिसी भी तैयार की है। हमें दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। भारतीय समाज नई तकनीक और नवाचारों को शीघ्रता से आत्मसात करने में कभी पीछे नहीं रहा है। ड्रोन, विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव है। ड्रोन कृषि कार्यों में आज अन्नदाता की मदद कर रहा है। इससे खेतों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव आसान हुआ है। ड्रोन तकनीक से देश के दुश्मनों का खात्मा भी हो रहा है। अब तो शादियां भी ड्रोन के बिना पूरी नहीं होती हैं। हमारे वैज्ञानिक वाइस कमांड कंट्रोल की सहायता से ड्रोन को ज्यादा आधुनिक बना रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ड्रोन तकनीक कार्यशाला एवं एक्सपो 2025 का विज्ञान भवन में शुभारंभकिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी और वर्कशॉप का शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं, स्टार्टअप और औद्योगिक संस्थानों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स पर पहुंचकर ड्रोन तकनीक के शैक्षणिक, औद्योगिक और कृषि क्षेत्र में उपयोग के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

Awarded At Influencer Meet 2025 For DhaarmikDev

इंदौर में 92.7 BIG FM का फेलिसिटेशन इवेंट, 'धार्मिक देव' और 'Unfiltered With Dev' को मिला सम्मान इंदौर। 92.7 BIG FM द्वारा आयोजित फेलिसिटेशन सेरेमनी में शहर के प्रभावशाली और प्रेरणादायी डिजिटल क्रिएटर्स को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में 'धार्मिक देव' और 'Unfiltered With Dev' को डिजिटल एवं सोशल मीडिया क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण और प्रभावशाली योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।

यह सम्मान डॉ. सीमा अलावा, अतिरिक्त पुलिस उप महानिरीक्षक (Additional Deputy Commissioner of Police), इंदौर द्वारा प्रावासा होटल, ए.बी. रोड पर आयोजित कार्यक्रम में यूटयूबर **श्री देवांशु चौधरी** को दिया गया।

BIG FM ने इस अवसर पर कहा कि इंदौर के क्रिएटर्स अपनी सकारात्मक सोच, गुणवत्ता और प्रभावशाली कंटेंट के माध्यम से पूरे शहर का नाम रोशन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री का किसान संघ ने स्वागत कर आभार व्यक्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर किसान संघ, भाजपा पदाधिकारी, उज्जैन के जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन उज्जैन के साथ बैठक कर सिंहस्थ के आयोजन को लेकर समग्र रूप से चर्चा की। बैठक में सिंहस्थ का आयोजन दिव्य, भव्य और विश्व स्तरीय करने के लिये हर संभव प्रयास करने पर सहमति बनी, जिसमें साधु–संतों, किसानो के हितों का व्यापक रूप से ध्यान रखा जायेगा।

चर्चा के बाद सिंहस्थ लैंड पूलिंग को निरस्त करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगरीय प्रशासन विकास विभाग और जिला प्रशासन को आदेश जारी करने के निर्देश दिये।

बैठक में वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, किसान संघ की ओर से सर्वश्री महेश चौधरी, कमल सिंह आँजना, अतुल माहेश्वरी, लक्ष्मी नारायण पटेल, भरत बैस, रमेश दाँगी, बीजेपी संगठन की ओर से नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, जिला महामंत्री श्री कमलेश बैरवा, महामंत्री श्री जगदीश पांचाल और श्री आनंद खींची उपस्थित रहे। किसान संघ द्वारा मुख्यमंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुये आभार व्यक्त किया गया।

रणजीत धाम में हुआ मासिक पत्रिका श्री पवन पुत्र का विमोचन संपन्न

इंदौर में स्थित 141 वर्ष पुराने रणजीत हनुमान मंदिर में शहर के वरिष्ठ पत्रकारों व रणजीत बाबा के सैकड़ो भक्तों की उपस्थिति में वरिष्ठ पत्रकार बृजेश जोशी द्वारा संपादित ,प्रकाशित मासिक पत्रिका श्री पवन पुत्र के विशेष अंक का विमोचन किया गया,जो रणजीत हनुमानजी 12 दिसंबर को निकलने वाली प्रभात फेरी को समर्पित था । इस मौके पर हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी दीपेश व्यास और रितेश व्यास ने रणजीत दरबार में पूजन अर्चन के साथ पत्रिका रणजीत हनुमानजी को समर्पित की।

महेश दृष्टिहीन आश्रम पर सामग्री वितरण

विगत दिनो देवगुरु शक्ति सामाजिक कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री देवराज चौधरी के पुत्र धार्मिक देव के ऐन्कर श्री देवांशु चौधरी के जन्म दिवस पर परिवार के सदस्यो ने वृद्धाआश्रम व महेश दृष्टिहीन आश्रम विजयनगर पर नेत्रहिन लडकियो को खाद्य सामग्री का वितरण किया। बच्चो ने चौधरी परिवार को धन्यवाद ज्ञापित किया।

NM HERITAGE का भूमि पूजन सम्पन्न

NM HERITAGE की बुकिंग प्रारंभ विगत दिनो इन्दौर के बिचोली मर्दाना क्षेत्र के श्रीजी वैली में एन.एम. हैरीटेज हाईराज बिल्डिंग का भुमिपूजन सम्पन्न हुआ। प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री निकेत मंगल व मैनेजर श्रीमती प्रिया रघुवंशी ने पधारे सभी अतिथियों व प्रापट्री बोकर्स का स्वागत व आभार प्रकट किया। सोना–उगले मिट्टी व घरौंदा के श्री देवराज चौधरी इस कार्यक्रम में विशेष रुप से उपस्थित थे।

क्या आप कृषि भूमि बेचना / खरीदना चाहते हैं

यदि हां! तुरंत हमसे संपर्क करें सम्पूर्ण भारतवर्ष में मुख्य नगरों के निकट कॉलोनी/टाउनशिप डेवलप करने के हेतु बड़ी/छोटी कृषि भूमि की आवश्यकता है.

इसके अतिरिक्त

खरीदना/बेचना/किराए से... बंगले/प्लाट/फ्लेट/ऑफिस फेक्ट्री शेड/कृषि भूमि हेतु संपर्क करें

घरौंदा GHARONDA CONSTRUCTION & ESTATE AGENTS

- भवन निर्माण
- भवन साज्जा
- भवन मरम्मत
- इलेक्ट्रिक/प्लम्बर कार्य
- पूंजी निवेश
- शॉपिंग माल बुकिंग

सम्पादक : देवराज चौधरी मो. 9826055852, 7224943188

Email : devrajchaudhary@rediffmail.com

हम आपके सपनों का आशियाना दिलाते हैं...

प्रतिनिधियों की आवश्यकता है

कृषि आधारित 'सोना-उगले मिट्टी' मासिक पत्रिका एवं पाक्षिक समाचार पत्र धरती उगले सोना

को समस्त जिलों एवं तहसीलों हेतु

उत्साही, कर्मठ, ईमानदार एवं लगनशील प्रतिनिधियों की आवश्यकता है. (पुरुष/महिला) ग्रामीण परिवेश में रूचि लेने वालों का स्वागत है.

कृपया बायोडाटा भेजें अथवा स्वयं सम्पर्क करें:

प्रधान सम्पादक/मैनेजर

सोना-उगले मिट्टी/धरती उगले सोना

ई.ए.–188, स्कीम न. 94, रिंग रोड, भारत पेट्रोल पंप के सामने, इन्दौर–452010 (म.प्र.)

सम्पादक : देवराज चौधरी मो. 9826055852, 7224943188

E-mail: devrajchaudhary@rediffmail.com

sonauglemitti25@gmail.com

website : www.sonauglemitti.com

सुनिए महापौर जी। दिल जीत लिया आपकी घोषणा ने ।अब हर साल होगा इंदौर में किशोर अलंकरण समारोह,नगर निगम बनेगा आयोजन का सारथी।

आज शाम 6 से रात 11 बजे तक इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज में चले मूर्धन्य गायक किशोर कुमार के अलंकरण समारोह में जब महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किशोर अलंकरण में गायक राजेश अय्यर (मुंबई) को प्रथम किशोर अलंकरण देकर सम्मानित किया तो किसी को उम्मीद नहीं थी कि महापौर इंदौर पुष्यमित्र भार्गव हजारों इन्दौरियंस श्रोताओं के बीच यह घोषणा भी कर देंगे कि इंदौर में किशोर अलंकरण समारोह अब हर साल आयोजित किया जाएगा ।नगर निगम इंदौर बनेगा उसका सारथी । महापौर जी ने कहा कि निगम में अब इस आयोजन को भव्यता देने के लिए बजट का प्रावधान किया जाएगा। उनकी द्वारा की गई घोषणा पर 5 हजार से अधिक श्रोताओं ने करतल ध्वनि से उनका स्वागत किया। सबसे खास बात अपनी घोषणा के पूर्व महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मंच से अपने संबोधन में कहा कि इंदौर लताजी की जन्मस्थली है तो अपनी आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाले किशोर दा की कर्मस्थली भी, जहां उन्होंने खुदको तैयार किया। आयोजन में आई किशोर दा की पोती मुक्तिका गांगुली को सम्मानित करते हुए उन्होंने कहा कि इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज किशोर दा कर्मभूमि है.हमे गर्व है कि उनका नाम इंदौर से जुड़ा है।

सोना-उगले मिट्टी अब फेसबुक पर भी

sonauglemittimagzine@gmail.com

शोक संदेश

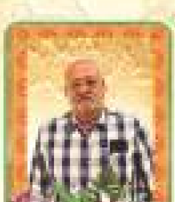

स्व. श्री बृजमोहन चोपड़ा

विगत दिनो जबलपुर के प्रतिष्ठित चोपड़ा परिवार में स्व. श्री रोशनलाल चोपड़ा के पुत्र, श्रीमती मधु व मंजू चौधरी व मृदु अरोरा के भाई व आस्तिक चोपड़ा के पिता, श्री देवराज चौधरी व भारत भूषण चौधरी के साले श्री बृजमोहन चोपड़ा का इन्दौर में निधन हो गया। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्री बृजमोहन चोपड़ा को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

शोक संदेश

स्व. श्रीमती कुसुम पटेरिया

स्व. गोविन्दनारायण पटैरिया की धर्म पत्नी, लक्ष्मीनारायण पटैरिया की पूज्यनीय माताजी, नेहुल, रितुल पटैरिया की दादी जी व राजेन्द्र चतुर्वेदी, लक्ष्मीनारायण पाठक की सासू मां, प्रकाश आदित्य नारायण, रमेश,महेश लिटोरिया की बड़ी बहन, रत्नेश भुवनेन्द्र, मन्दू, कपिल की बुआ जी का निधन हो गया है। उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्रीमती कुसुम पटेरिया को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

शोक संदेश

स्व. श्री हरबंसलाल नागपाल

विगत दिनो शुजाबाद परिवार के स्तंभ रिटायर्ड इन्कमटैक्स ऑफिसर श्री हरबंसलाल नागपाल जी का निधन हो गया। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्री हरबंसलाल नागपाल को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

कमल टंदन
राष्ट्रीय अध्यक्ष

गिरीश जोरे
म.प्र. अध्यक्ष

ऑल इंडिया क्राइम रिफॉर्म्स ऑर्गेनाइजेशन के 32 वर्ष पूरे होने पर सोना–उगले मिट्टी के प्रधान संपादक श्री देवराज चौधरी ने बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

AAPKI KHETI
आपकी खेती
+919827282091
info@aapkikheti.com
www.aapkikheti.com

किसानों के बीच 1984 से एक विश्वसनीय नाम

मित्तल एग्रोको
राजीव बंसल
अधिकृत : विक्रेता आरसीएफ, जीएनएफसी फर्टिलाइजर्स, श्री कृष्णा सीड्स एवं अन्य कृषि आदानों के विक्रेता।
बस स्टैण्ड के पास, धौलपुर -328001 (राजस्थान)
मो. 09351310748

DESIGN N'BUILD EXPO PICS

SWADESHI AND OCTAVE FAIR PICS

द्वितीय पुण्य स्मरण

विनम्र श्रद्धांजलि | विनम्र श्रद्धांजलि

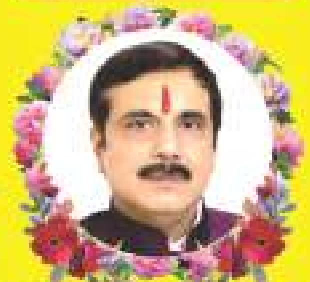

स्व. श्री अरुण अरोड़ा (नीटू अंकल)

OUR GROUP VENTURES

सोना–उगले मिट्टी | MOBDIGITAL | घरोंदा | Raj Advertisers | धरती उगले सोना

द्वितीय पुण्य स्मरण

भावभीनी श्रद्धांजलि | भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री अरुण अरोड़ा (नीटू अंकल)

–: विनीत :–
चेयरमेन श्री सुरेशसिंह भदौरिया, वाइस चेयरमेन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया, इंडेक्स समूह, अमलतास समूह

OUR GROUP VENTURES

Index | AMALTAS Institute of Medical Sciences | INDEX International School | Radisson | AMALTAS | MAHAKAL

AMALTAS UNIVERSITY, DEWAS | MALWANCHAL UNIVERSITY, INDORE

Book Your STALL Now
India's Leading Exhibition on,
Agriculture Machinery, Dairy
Equipments & Agriculture Technology
krishi MACH EXPO
13-14-15 MARCH 2026
PARADE GROUND, SECTOR-17
CHANDIGARH

300+ Stalls
50,000+ Visitors
7500+ Product Display
For Stall Booking Contact :
Devraj Chaudhary | Mansi Soni | Khushi Sharma | Raj Sanodiya | Piyush Sanodiya | Naresh Mundre

Feeling truly honoured and emotional today
Received the Child & Youth Welfare Award from Swadesh News Channel, presented by Mr. Praveen Khariwal, President – State Press Club.This one's for every child we've promised a brighter tomorrow,
Thank you for strengthening our resolve to keep serving. Grateful beyond words. #ChildWelfare #YouthEmpowerment #PrestigeUniversity #ProudMoment #EducationMatters #SwadeshNews

प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट भोपाल में सोमवार 17 Nov 25 एक ऐतिहासिक अविस्मरणीय दिन रहा जहां हजारों छात्रों फैकल्टीज व स्टाफ ने डॉ सुधीर खेतावत व 9 सहयोगियों विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न रोगों में हुए तुरंत लाभ के बारे में बताया। लोगों ने वर्षों पुराना सिर, कमर, कंधा, माइग्रेन व अन्य दर्द में लाभ को स्वीकार। डॉ खेतावत के साथ डॉ अनिता ठाकुर श्रेया खुराना, श्वेता लोदवाल, अनिल दुबे राजेंद्र सिंग सोलंकी,v Bhopal शाखा के प्रमुख डॉ सतीश सेजकर माधवी नरवरे ने अपनी सेवाएं दी सामूहिक थ्री फिंगर विधि का जब डॉ खेतावत ने प्रयोग करवाए तो अधिकांश विद्यार्थियों ने भय, मनोबल की कमी, अनिद्रा, डिप्रेशन, IBS यादाश्त में हुए लाभ के बारे में बताया। डॉ अनिता ठाकुर ने सर्वप्रथम पीड़ित मानवता के हित में संस्था के 50 वर्षों की अद्वितीय उपलब्धियों की पीपीटी द्वारा जानकारी दी जिसकी सभी ने प्रशंसा की व कहा यह इंदौर का दुर्भाग्य है कि वहां के लोग डॉ खेतावत के वर्षों के अनुभव का लाभ नहीं ले रहे है। डॉ अनिल बाजपेई ग्रुप डायरेक्टर प्रेस्टीज इंस्टीट्यूसभी के समक्ष डॉ खेतावत की थ्री फिंगर विधि से स्वयं के कंधे के दर्द में हुए तुरंत लाभ के बारे में बताया।

छात्रा कु. नेहा तोमर को Ph.D.

Ph.D. छात्रा कु. नेहा तोमर को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, के दीक्षांत समारोह में Ph.D. में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। इसके लिए कु. नेहा को सोना–उगल मिटटी की ओर से बहुत बहुत शुभकामनाएं।

भारत की अर्थव्यवस्था में दमदार उछाल, वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में देश की GDP 8.2: बढ़ी

नई दिल्ली। भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर दूसरी तिमाही में 8.2: बढ़ गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6: थी। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था ने जुलाई–सितंबर तिमाही में 8.2: की वृद्धि दर हासिल की। यह छह तिमाहियों का उच्चतम स्तर है।

ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि जीएसटी दर में कटौती से उपभोग बढ़ने की उम्मीद में कारखानों ने अधिक उत्पाद तैयार किए। दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर पिछले तीन महीनों के 7.8: और एक वर्ष पूर्व की समान अवधि के 5.6: से बेहतर रही। विनिर्माण, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 14 प्रतिशत है, दूसरी तिमाही में 9.1 प्रतिशत बढ़ा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 2.2 प्रतिशत था।

डॉ. शंकरलाल गर्ग ने अब तक 2 लाख से अधिक स्टूडेंट्स को पढ़ाया, 70 की पीएचडी पूर्ण कराई

45 वर्षों की अकादमिक साधना, 80 देशों का अनुभव शिक्षा को समर्पित

शिक्षा विद एसएल गर्ग से अधिक लंबा सफर देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था के लिए प्रेरक मिसाल है। विभिन्न शासकीय कॉलेजों में केमेस्ट्री प्रोफेसर के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने करीब 45 वर्षों में 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों को पढ़ाया। शोध के क्षेत्र में उनकी सक्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके मार्गदर्शन में 70 रिसर्च फेलो ने पीएचडी पूर्ण की। विदेशों में शिक्षा और शोध के अनुभव को समझने के लिए उन्होंने 80 देशों की शैक्षणिक यात्राएं की और कई अंतराष्ट्रीय कान्फ्रेन्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कुवैत युनिवर्सिटी में वे विजिटिंग फैकल्टी भी रहे। बाली और स्विटजरलैण्ड में आयोजित यूएनओ की महत्वपूर्ण बैठकों में उन्होंने क्लाइमेट चेंज पर अपने विचार रखें। अपने गहन अनुभव और सरल व्यक्तित्व के कारण वे आज भी छात्रो को मार्गदर्शन देने के लिए उपलब्ध रहते हैं, जबकि जरूरतमंद और मेधावी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देकर उनकी राह आसान बनाते हैं।

बंजर पथरीली पहाड़ी पर लगाए छःसौ से ज्यादा प्रजाति के 50 हजार पेड़ :

शिक्षा के क्षेत्र में स्वर्णिम पारी पूरी करने के बाद उन्होंने पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य शुरू किया और एक बंजर पथरीली पहाड़ी पर हरियाली करने की ठानी। 2016 में डॉ. गर्ग ने कुछ पौधे लगाकर शुरूआत की और शुरूआती वर्षों में टैंकरों से सिंचाई की। बाद में वर्षाजल संग्रह, ड्रिप इरिगेशन और प्राकृतिक तकनीकी से उन्होंने इस भूमि को स्थायी रूप से विकसित किया। आज यही जमीन 50,000 पेड़ों और 600 से अधिक प्रजातियों का घर है। नीम, पीपल, सेंवफल देशी फलदार पेड़, साथ ही जैतून, डेट्स और एवोकाडो जैसे विदेशी पौधे यहां फल–फूल रहे है।

केशर की फसल खेती भी बनी आकर्षण :

2022 में की गई एक प्रयोगात्मक शुरूआत ने इस पहाड़ी की साथ पहचान दी यहा केशर की खेती पहले साल 25 फूल फिर अगले वर्ष 100 और 2024 में यह संख्या गर्म जलवायु में केशर पनपाना आमतौर पर चुनौती माना जाता है, लेकिन दिन रात के तापमान नियंत्रित कर, हल्की छाया और फ्रीज के ठंडे पानी के स्प्रे से उन्होंने इसके लिए आदर्श माहौल बनाया। यह प्रयोग बताता है कि तकनीक और समर्पण से पथरीली पहाड़िया पर भी उच्च मूल्य की फसले संभव है।

MPPSC Result 2023: पूजा जैन सागर मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर शाहगढ़ कस्बे की रहने वाली है, उनके पिता एक साधारण किराना दुकानदार हैं, परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन पूजा ने कभी हालात को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया.
ख्वरं श्रपद `नवबमे`जवतलरू कभी अपने पिता की किराना दुकान में हाथ बंटाने वाली शाहगढ़ की बेटी पूजा जैन ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) परीक्षा पास कर डीएसपी (उप पुलिस अधीक्षक) का पद हासिल किया है. सागर जिले के छोटे से कस्बे शाहगढ़ निवासी पूजा की यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है ।

साइबर फ्रॉड 3 दिन में बता दिया तो जवाबदेही बैंक की होगी, लोन और सेटलमेंट को लेकर क्या हैं नए नियम?

डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। आगामी कुछ महीनों में बैंक के कामकाज में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) ने 238 बैंकिंग नियमों का एक ड्राफ्ट जारी किया है। इस पर जनता से 10 नवंबर तक सुझाव मांगे हैं। आरबीआई के पूर्व गवर्नर आर गांधी ने बताया कि नियामक कानूनों में सुधार को लेकर पहली बार ड्राफ्ट जारी कर जनता से सुझाव मांगे जा रहे हैं।

कब से लागू होंगे नए नियम?

भारतीय रिजर्व बैंक ने जिन 238 बैंकिंग नियमों का ड्राफ्ट जारी किया है, वे नए नियम साल 2026 की शुरुआत से लागू होंगे। आरबीआई के प्रस्तावित सुधारों के तहत साइबर फ्रॉड के मामलों में यदि ग्राहक तीन दिन में जानकारी दे देता है तो उसकी जवाबदेही शून्य होगी। इसके बावजूद अगर बैंक समय पर कार्रवाई नहीं करते हैं तो उन पर 25,000 रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं चोरी या लापरवाही की स्थिति में बैंक को लॉकर किराये का 100 गुना तक हर्जाना भरना होगा।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियानः पशुपालकों को दी जा रही आवश्यक जानकारियां

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने और पशुओं की नस्लों में सुधार लाने के उद्देश्य से "दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान" चलाया जा रहा है। प्रथम चरण में ऐसे पशुपालक जिनके पास 10 या 10 से अधिक पशु भारत पशुधन ऐप पर पंजीकृत हैं, उनके घर–घर जाकर पशुओं का सत्यापन किया जा रहा है। पशुपालकों को पशु नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य, पशु–पोषण सहित अन्य जानकारियों से अवगत कराया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने हेतु 30 पशु चिकित्सा सहायक क्षेत्र अधिकारी, 7 पशु चिकित्सक और 57 गौ–मैत्रियों की ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह के निर्देशानुसार जिले में अभियान की मैदानी स्तर पर चल रही गतिविधियों की मॉनिटरिंग के लिये मंगलवार को अधिकारियों ने ग्राम जैनाबाद, जैसिंगपुरा एवं घोसीवाड़ा का भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने पशुपालकों से संवाद करते हुये उन्हें अभियान के उद्देश्य के बारें में बताया।

टीकमगढ़ में मछुआ प्रशिक्षण

टीकमगढ़ – कलेक्टर श्री विवेक श्रोत्रिय के निर्देशानुसार सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्रीमती मेघा गुप्ता एवं मत्स्य निरीक्षक श्री पंकज मौर्या, श्री सी.एल. कुशवाहा के द्वारा मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के तहत महेंद्र बाग मत्स्य बीज प्रक्षेत्र टीकमगढ़ में तीन दिवसीय मछुआ प्रशिक्षण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मछुआ कृषकों को सरकार की योजनाओं और तकनीकी नवाचारों जानकारी दी गई। की इस अवसर पर जनप्रतिनिधि श्री विवेक चतुर्वेदी, श्री अरविन्द खटीक, श्री स्वप्निल तिवारी, मछुआ समूह एवं समितियों के सदस्य एवं तकनीकी विषय विशेषज्ञ की विशेष उपस्थिति रहीं।

प्रदेश की प्रगति में पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा है कि प्रदेश की प्रगति में पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत सरकार द्वारा नीति निर्माण में पशुधन सांख्यिकी आंकड़ों की आवश्यकता होती है। संपूर्ण देश में ई–लिस एप सॉफ्टवेयर के माध्यम से इन आंकड़ों को डिजिटलाईज

ई–लिस एप सॉफ्टवेयर संबंधी दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

किया जाता है। इस सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण प्राप्त करें और पशुधन संबंधी आंकड़ों के डिजिटाइजेशन में इनका पूरा उपयोग करें।

डिजिटाइजेशन के महत्व को रेखांकित किया

भारत सरकार के सांख्यिकीय सलाहकार, पशुपालन सांख्यिकी प्रभाग श्री जगत हजारिका ने बताया कि ग्राम स्तर पर एकीकृत नमूना सर्वेक्षण के माध्यम से प्राप्त होने वाले आंकड़ों का संकलन करने के बाद विश्व स्तर पर रिपोर्टिंग की जाती है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्राची मिश्रा द्वारा सॉफ्टवेयर के उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। वीसीआई नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. उमेश चंद्र शर्मा द्वारा देश और प्रदेश की प्रगति में पशुपालन और डेयरी क्षेत्र के योगदान और इससे संबंधित आंकड़ों और उनके डिजिटाइजेशन के महत्व को रेखांकित किया गया।

कार्यशाला में पशुपालन एवं डेयरी संचालक डॉ. पी. एस. पटेल, पशुपालन सांख्यिकी भारत सरकार के संचालक श्री आर.पी.एस. राठौर, पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त संचालक डॉ. मनोज गौतम, भारत सरकार से सहायक संचालक श्री बैधर स्वाइन, उप संचालक श्री चौतराम मीणा, म.प्र. से एकीकृत नमूना सर्वेक्षण की राज्य नोडल अधिकारी डॉ. उमा कुमरे (परते) आदि उपस्थित रहे।

Chitrakoot: रानीपुर टाइगर रिजर्व खुला, 30 किमी सफारी में मिलेगा रोमांच

चित्रकूट। अगर आप प्रकृति और जंगल की खूबसूरती के दीवाने हैं, तो आपके लिए खुशखबरी है। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में स्थित रानीपुर टाइगर रिजर्व रविवार से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। अब सैलानी यहां बाघ, तेंदुआ, हिरण, भालू और अन्य दुर्लभ वन्यजीवों को नजदीक से देखने का रोमांचक अनुभव ले सकेंगे।

30 किलोमीटर की सफारी यात्रा में मिलेगा जंगल का रोमांच

रानीपुर टाइगर रिजर्व में आने वाले पर्यटक लगभग 30 किलोमीटर लंबी सफारी यात्रा का आनंद उठा सकेंगे। इस दौरान वे टाइगर रिजर्व के भीतर बसे प्राकृतिक जंगलों में बाघ, तेंदुआ, भालू, हिरण और अन्य वन्यजीवों को देख पाएंगे। इस सफर के दौरान प्रकृति की नीरवता और जंगल की सरसराहट पर्यटकों को एक अनोखा अनुभव देगी।

मत्स्य क्षेत्र में सहकारिता, गरीब मछुआरों को समृद्ध करेगी

श्री अमित शाह ने मझगांव डॉक, मुंबई में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 'गहन सागरीय मत्स्य नौकाओं' का लोकार्पण किया मोदी सरकार मछलियों को प्रोसेसिंग और चिलिंग सेंटर एवं एक्सपोर्ट और कलेक्शन के जहाजों को सहकारिता से उपलब्ध कराएगी

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मझगांव डॉक, मुंबई में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत "गहन सागरीय मत्स्य नौकाओं" का लोकार्पण किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे और श्री अजीत पवार, तथा केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल भी उपस्थित थे। अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह भारत के समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र के आधुनिकीकरण और तटीय क्षेत्रों में सहकारिता–आधारित विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने और ब्लू इकोनॉमी को मजबूत कर सहकारिता क्षेत्र की क्षमता का उपयोग करने के लिए कटिबद्ध है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि अभी ट्रॉलर पर मछली पकड़ने का कार्य करने वाला व्यक्ति तनख्वाह पर काम करता है लेकिन अब कॉपरेटिव बेसिस पर ट्रॉलर से मछली पकड़ने से होने वाला पूरा मुनाफा पर हर मछली पकड़ने वाले के घर में पहुंचेगा। श्री शाह ने कहा कि अभी तो इस तरह के 14 ट्रॉलर दिए जाऐंगे परन्तु केन्द्र सरकार, सहकारिता मंत्रालय और मत्स्य विभाग आने वाले समय में और भी ट्रॉलर मछली पकड़ने वाले भाइयों को कॉपरेटिव बेसिस पर देंगे। उन्होंने कहा कि ये ट्रॉलर 25 दिन तक गहरे समुद्र में रह सकेगा और 20 टन तक मच्छलिया ढो सकेंगे।

मधुमक्खी पालन में है अच्छी कमाई, सरकार से भी मिलती है बंपर सब्सिडी

कम लागत में बढ़िया मुनाफे के चलते मधुमक्खी पालन का व्यवसाय ग्रामीणों में काफी लोकप्रिय हो रहा है. बड़ी संख्या में ग्रामीण इससे जुड़कर अपनी कमाई बढ़ा रहे हैं. इसके लिए किसानों को 80 से 85 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाती है. बिहार सरकार भी मधुमक्खी पालन के इच्छुक किसानों को 90 प्रतिशत तक की सब्सिडी देती है. वहीं, झारखंड सरकार भी इससे संबंधित व्यवसायों को शुरू करने के लिए 80 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है. मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वाले किसानों की नाबार्ड भी मदद करता है. राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (छठठ) ने नाबार्ड (छ ठ त्क) एक दूसरे से टाई अप कर एक फाइनेंसिंग स्कीम की भी शुरूआत की थी. इस स्कीम के जरिए मधुमक्खी पालन के इच्छुक किसानों को आर्थिक मदद मुहैया कराई जाती है.

कड़कनाथ एक परिचय

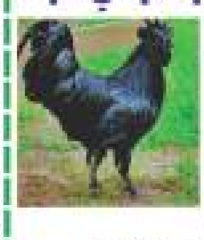

कड़कनाथ :– काले मांस को पूरी दुनिया मे बहुत ही कीमती और दुर्लभ मांस माना जाता है, अभी तक पूरे विश्व में 25 से ज्यादा मुर्गी की प्रजातियाँ पायी जाती है जिसका मांस काला होता है इसमें भारत के कड़कनाथ के अलावा चीन की 'सिल्की', इंडोनेशिया की 'आयाम सेनिनी' और वियतनाम की 'ओके' प्रमुख हैं। इनके काले रंग कि मुख्य वजह है फाइब्रोमिलेनोसिस नाम की एक आनुवांशिक गुण का होना है जिसमें मिलेनिन पिगमेंट कड़कनाथ मांस हड्डी और त्वचा में संचय से होता है। कड़कनाथ भारत की एक पंजिकृत मुर्गे की नस्ल है जिसे हाल ही में मध्यप्रदेश को मांस के लिए 'भौगोलिक' संकेत (जी आई टैग) मिला है। झाबुआ मध्यप्रदेश जिले की पहचान यहां पर पाई जाने वाली मुर्गी की प्रजाति कड़कनाथ के करण पूरे देश में हैं। क्षेत्रीय भाषा में कड़कनाथ को 'कालामासी' भी कहा जाता है क्योंकि इसका मांस, चोंच, कलगी, जुबान, टांगे, नाखून, चमड़ी इत्यादि काली होती है जो कि मिलेनिन पिगमेंट की अधिकता के कारण होता है। इसके मांस में प्रोटीन प्रचुर मात्रा में तथा वसा न्यूनतम मात्रा में होता है जिससे ह्रदय व डायबटीज रोगियों के लिए उत्तम आहार है। इसका मांस स्वादिष्ट व आसानी से पचने वाला होता है इसकी इसी विशेषता के कारण बाजार में इसकी मांग काफी होती है एवं काफी उंची दरों पर आसनी से विक्रय किया जाता है।

अश्वगंधा खेती से 11 क्विंटल 25 किलो रेकॉर्ड उत्पादन प्राप्त किया

मांगलिया क्षेत्र के ग्राम भोंडवास के उन्नत कृषक जीवनसिंह परमार पिछले पांच वर्षों से औषधीय खेती कर रहे हैं।. फिलहाल किसान ने एक बीघा तीन बीसवां भूमि में अश्वगंधा की खेती लगाई। 11 क्विंटल 24 किलो 500 ग्राम उपज आई। तीन जुलाई को नीमच मंडी में 3 लाख 12 हजार 177 रुपये बिक्री हुई। आत्मा परियोजना की शर्लिन थामस के अनुसार, जिले में जीवनसिंह परमार ने रिकॉर्ड उत्पादन की अश्वगंधा खेती बताई जा रही है। किसान परमार ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से नवाचार कर विभिन्न औषधिय खेती कर रहा हूं। खेती में मेरे परिवार के सभी सदस्य फसल लगाने से लेकर निंदाई–गुडाई और फसल कटाई तक सहयोग करते हैं। एक बीघा तीन बीसवां खेती में लगाया, जिससे अश्वगंधा में ढाई लाख का शुद्ध लाभ मिला है। पिछले दिनों आकाशवाणी रेडियो चैनल परमार को श् जैविक उन्नत खेती करने में कृषि विभाग द्वारा लगाए विभिन्न चौपालों में प्रमाण–पत्र भेंट कर सम्मानित भी किया गया है।

अधिकारियों के शोषण पर व्यापार मंडल की चेतावनी

लखनऊ के हजरतगंज स्थित हलवासिया मार्केट में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने एक प्रेस वार्ता आयोजित की। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का महिमामंडन करना नहीं, बल्कि देश के हर छोटे–बड़े व्यापारी, उद्यमी और कारोबारी को सम्मान, सुरक्षा और शक्ति प्रदान करना है। गर्ग ने उत्तर प्रदेश सरकार की श्एक जनपद, एक उत्पादश्, निवेश समिट, एमएसएमई, स्टार्टअप और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने जैसी पहलों की सराहना की। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि सीजीएसटी, एसजीएसटी और खाद्य विभाग के कुछ अधिकारियों द्वारा व्यापारियों से अभद्रता और शोषण की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।

सोना–उगले मिट्टी एवं मोबिएड डिजिटल ऑफिस में दिवाली उत्सव सम्पन्न

विगत दिनो दिवाली के शुभ अवसर पर सोना–उगले मिट्टी एवं मोबिएड डिजिटल ऑफिस में दिवाली उत्सव सम्पन्न हुआ। श्री देवराज चौधरी व श्री देवांशु चौधरी ने अपने–अपने ऑफिस का पूजन श्री जीवनलाल जोशी से सम्पन्न कराया एवं स्टॉफ मेम्बर्स को मिठाई व उपहार दिये।

For True Stories Kindly Visit Us On:

AAPKI KHETI

नया लेबर लॉ आज से लागू, कॉन्ट्रैक्ट वालों को भी पे–स्केलय ओवरटाइम पर डबल पेमेंट

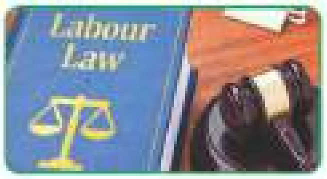

नई दिल्ली। श्रम सुधारों की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने चार लेबर कोड लागू कर दिए हैं। इन सुधारों में गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा, सभी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र, और कांट्रैक्ट कर्मचारियों को स्थाई कर्मचारियों जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। ग्रेच्युटी के लिए पांच साल की अनिवार्यता अब नहीं रही, और ओवरटाइम के भुगतान के नियम भी बदले गए हैं। महिलाओं की सुरक्षा और न्यूनतम वेतन की गारंटी भी दी गई है।

श्रम सुधारों की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने संसद में पांच साल पहले पारित चारों लेबर कोड (श्रम संहिता) को लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी। इसमें गिग वर्कस समेत श्रमिकों के हितों के लिहाज से यूनिवर्सल सामाजिक तथा स्वास्थ्य सुरक्षा देने, सभी कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से नियुक्ति पत्र देने, सीमित अवधि के लिए कांट्रैक्ट कर्मचारियों को भी स्थाई कर्मचारियों जैसी सुविधा देने जैसे अहम प्रावधान किए गए हैं।

Jhansi : किसानों के लिए सुनहरा मौका, अब प्रमाणित बीज के साथ करें शाकभाजी की खेती

झांसी। जिले के किसानों के लिए शाकभाजी की खेती को बढ़ावा देने का शानदार अवसर मिला है। आगामी 14 नवंबर को राजकीय चंद्रशेखर आजाद पार्क (कंपनी बाग) में विशेष कृषि मेले का आयोजन किया जाएगा, जहां किसानों को प्रमाणित बीज मुफ्त में उपलब्ध कराए जाएंगे।

उद्यान विभाग की पहल से मिलेगा लाभ

किसानों को शाकभाजी, मसाला और पुष्प की खेती से जोड़ने के लिए उद्यान विभाग की ओर से कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। विभाग किसानों को न केवल प्रमाणित बीज प्रदान कर रहा है, बल्कि खाद, कीटनाशक, ड्रिप और स्प्रिंकलर सेट जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहा है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय में

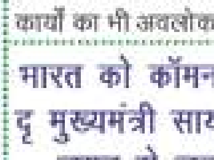

जगदलपुर. इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कर्नल गिरीश चंदेल ने निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एसएस टुटेजा के साथ शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र का गत दिवस सघन भ्रमण एवं समीक्षा बैठक की। इस महत्वपूर्ण भ्रमण में कुलपति ने परिसर की विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया और विशेष रूप से नवीन मशरूम उत्पादन इकाई का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने बालिका छात्रावास में चल रहे अतिरिक्त निर्माण कार्यों का भी अवलोकन किया।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी दृ मुख्यमंत्री साय ने इसे बताया भारत के खेल जगत से जुड़ा एक और स्वर्णिम अध्याय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव, खेल के क्षेत्र में नई ऊर्जा और हमारे खिलाड़ियों की लगातार बढ़ती उत्कृष्टता का सम्मान है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि को भारत के खेल इतिहास में जुड़ा स्वर्णिम अध्याय बताया और कहा कि यह हर भारतीय के सपनों को नया पंख देने वाला क्षण है। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिलना करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों, जज़्बे और जुनून का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह घोषणा उत्साह की नई लहर लेकर आई है। यह अवसर देश के हर बच्चे, हर युवा और हर खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने की प्रेरणा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत खेल महाशक्ति के रूप में उभर रहा है और यह मेजबानी उसी यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

काबरा को मलेशिया में मिला 'ग्लोबल लीडर अवॉर्ड 2025'

मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित एक समारोह में मेड़ता निवासी समाजसेवी रामानंद काबरा को लुब्रिकेशन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दिए गए क्रांतिकारी और दूरदर्शी योगदान के लिए ग्लोबल लीडर अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार कॉर्पोरेट अफेयर मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था श्वाईजोक्सश द्वारा प्रदान किया गया। ग्लोबल लीडर अवार्ड विश्वभर के उन प्रभावशाली लोगों का मंच है जहां नौकरशाह, उद्योगपति, फिल्मी व्यक्तित्व, सामाजिक कार्यकर्ता और व्यवसायिक नेता शामिल होते हैं। इस वर्ष भारत सहित दुनिया के 64 से अधिक चुनिंदा व्यक्तित्वों को यह सम्मान दिया गया है। काबरा ने बताया कि ग्लोबल लीडर अवार्ड उन व्यक्तियों और संगठनों को दिया जाता है, जिन्होंने दृढ़ निश्चय, उत्कृष्ट नेतृत्व, नवाचार, रचनात्मकता और समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के मेड़ता सिटी, मलेशिया में काबरा का अवॉर्ड से सम्मान करते अतिथि।

हाईकोर्ट का बड़ा झटकारू अब 55 साल में रिटायर होंगे सरकारी कर्मचारी!

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने भी दिए संकेत देशभर के सरकारी कर्मचारियों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि अब सरकारी कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 साल से घटाकर 55 साल कर दी जाएगी यह नया नियम 2025 से लागू होने जा रहा है, जिससे लाखों कर्मचारियों में बेचैनी और असमंजस का माहौल है। कोर्ट का मानना है कि प्रशासनिक ढांचे में युवाओं को अधिक अवसर देने और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए यह कदम उठाना जरूरी है। हालांकि, इस निर्णय से उन कर्मचारियों की चिंता बढ़ गई है जो अगले कुछ वर्षों में रिटायर होने वाले थे। अब उन्हें 5 साल पहले ही सेवा से मुक्त होना पड़ेगा, जिससे उनकी पेंशन, प्रमोशन और आर्थिक योजनाओं पर बड़ा असर पड़ेगा। कई कर्मचारी यूनियनों ने इस फैसले को "अन्यायपूर्ण और जनविरोधी" बताया है और कहा है कि अचानक रिटायरमेंट की उम्र घटाना उचित नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर यह फैसला वापस नहीं लिया गया, तो देशभर में प्रदर्शन और हड़ताल की स्थिति बन सकती है। वहीं, सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय "जनरेशन ट्रांजिशन पॉलिसी" के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य है कि सरकारी विभागों में नई सोच और युवा ऊर्जा को जगह मिल सके। सरकार का मानना है कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और प्रशासनिक कामकाज तेज होगा। अब सबकी नजर केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट पर है कि क्या इस फैसले पर पुनर्विचार होगा या इसे पूरे देश में लागू किया जाएगा। अगर यह नीति स्थायी रूप से लागू हुई, तो यह भारत के रिटायरमेंट सिस्टम में ऐतिहासिक बदलाव साबित होगी।

NO.	DESCRIPTION	SIZE	RATE	PLACEMENT
01.	Homepage Top Banner (Leaderboard)	728x90 (Desktop)/ 320x100 (Mobile)	₹50,000/month	Top of the homepage (high visibility)
02.	Homepage Sidebar Banner	300x250/ 300x600	₹30,000/month	Right-hand side of homepage
03.	In-Blog Banner (After First Paragraph)	728x90/ 468x60	₹35,000/month	Inside blog posts (high engagement)
04.	Footer Banner (All Pages)	728x90/ 468x60	₹20000/month	Bottom section of every page
05.	Article Sponsorship/ Featured Blog		₹ 30,000 per blog	A featured blog shared across our social media

प्रो. शाहनवाज खान मो. 8120420679
ओमप्रकाश कुशवाहा मो. 9893834952
ROYEL ENTERPRISES
रायल इन्टरप्राईजेज
सभी प्रकार की कीटनाशक दवाओं के थोक एवं फुटकर विक्रेता
म.प्र. ग्रामीण बैंक के सामने, अमरावद कलां, तह. बाड़ी, जिला - रायसेन (म.प्र.)

प्रो.प्रा.संजय मण्डलोई
मो. 9926250933
8109150933
संजय
एग्रो ऐजेंसी
बस स्टेण्ड, अकोदिया मंडी, जि.शाजापुर म.प्र.
syngenta UPL

कृषि आदान विक्रय का विश्वसनीय संस्थान :
गायत्री टेडर्स
उन्नत बीज, रासायनिक खाद, कीटनाशक दवाईयाँ एवं समस्त कृषि उपयोगी वस्तुएं मिलने का विश्वसनीय केन्द्र
44, अनाज मंडी खंडवा (म.प्र.) प्रो. आशीष भंसाली
फोन 2229190 मो.: 09425085190

प्रो. माखन सिंह सैंधव (विशाल सरपंच)
मो. 9302370402
9827996817
राज ट्रेडर्स
कृषी बीज एवं किटनाशक दवाईया
पता - बघेल कॉम्प्लेक्स, एम.जी.रोड सोनकच्छ जिला-देवास

वर्षों से किसानो की सेवा पर तत्पर
SKSK
मे. सतनाम कृषि सेवा केन्द्र
उन्नत बीज
कीटनाशक दवाईयाँ
रासायनिक खाद
स्प्रे पम्प एवं पम्प पार्टस् के विक्रेता
68-पंधाना रोड, जलेबी चौक, खण्डवा (म.प्र.)
फोन: 0733-2226483 मो.: 09424018725-26

प्रो. भरत परमार
राधेश्याम परमार
9827539326
9691294215
Email: bo9044768@gmail.com
न्यू जय माता दी
कृषि सेवा केन्द्र
सभी प्रकार की कीटनाशक दवाईयाँ उन्नत किस्मों के बीज एवं खाद के थोक व खेरची विक्रेता

मनिष धाकड़ 8770836450 9977008710
शंकरलाल धाकड़ 8770170265
बालाजी
एग्रो एजेन्सी
कृषि दवाईयाँ एवं बीज के विश्वसनीय विक्रेता
पॉलीटेक्निक चौराहा, नई धानमण्डी रोड, जावरा, जि. रतलाम (म.प्र.)

9424541587
8085891825
शर्मा एग्रो एजेन्सी
सभी प्रकार के कीटनाशक दवाईया एवं उन्नत बीजों के विक्रेता
कोर्ट के सामने, रूणिजा रोड, बड़नगर, जिला उज्जैन (म.प्र.)
SWAL SML

न्यू गायत्री कृषि सेवा केन्द्र
हमारे यहाँ खरपतवार नाशक, कीटनाशक, खाद, बीज, पाईप सबमर्सिबल पम्प व सभी प्रकार की कृषि सामग्री उपलब्ध है।
-: अधिकृत विक्रेता :-
syngenta BASF FMC SML insecticides

माँ पार्वती ट्रेडर्स
मेन रोड, आम्बुआ तह. अलीराजपुर
जिला – अलीराजपुर
खाद, बीज, कृषि दवाईयो एवं कृषि उपकरणों के खेरची विकेता।

माधव माहेश्वरी मो. 9131635106
मोहित माहेश्वरी
मे.विनोद एण्ड कम्पनी
सदर बाजार, अकोदिया मण्डी, जिला शाजापुर म.प्र.

प्रो. विक्रमसिंह धाकड 9977505441
प्रो. जीवन धाकड 9754971133
प्रिया कृषि सेवा केन्द्र
खाद * बीज * किटनाशक * खरपतवार नाशक
सिमेन्ट * सेनेट्री * हार्डवेयर * स्टाटर पार्टस
ट्रेक्टर्स पार्टस * कालम पाईप * स्प्रे पम्प * स्प्रे पम्प रिपेरींग

श्री साँई
कृषि सेवा केन्द्र
उन्नत बीज • रासायनिक खाद • कीटनाशक दवाईयां
विशाल मार्केट, मेन रोड खारकलां जि. खण्डवा
अशोक कुमार जायसवाल
9827577333, 9340832988

न्यू मेहता ट्रेडर्स
अधिकृत विक्रेताः सीमेन्ट, ईट, रेती, सरिया एवं परिवहन कार्य, जनरल मर्चेन्ट एवं कमीशन एजेन्ट
फोनः 72962 64912

पाटीदार कृषि सेवा केन्द्र
हमारे यहां समस्त प्रकार के कृषि संबंधित खाद, बीज, दवाईयां एवं बारदान उचित मूल्य पर उपलब्ध है।
एम.पी.ई.बी. रोड, कालापीपल मण्डी, जिला-शाजापुर (म.प्र.) 465337
प्रोप्रा. अर्जुन पाटीदार : 9753102896
-: अधिकृत विक्रेता :-
syngenta BASF ADAMA FMC

शोक संदेश

स्व. श्री नवाब सिंह कुशवाह

विगत दिनो साइंस कॉलेज ग्वालियर के पूर्व अध्यक्ष, म.प्र. वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक में मैनेजर, श्रीमति मीरा (पत्नी), श्री बलबीर सिंह (पूर्व लोकसभा प्रत्याशी बसपा) (भाई), अभिषेक– दीक्षा (पुत्र–पुत्रवधु), सोनाली दिनेश (पुत्री–दामाद), शीतल – आनंद (पुत्री–दामाद) श्री नवाब सिंह कुशवाह का निधन हो गया है। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्री नवाब सिंह कुशवाह को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करें...

।। ओम शांति ।।

शोक संदेश

स्व. श्रीमती सतीश सहाय

विगत दिनो शूजाबाद परिवार की स्तंभ स्व. कर्नल बलदेव सहाय की धर्म पत्नी व श्री देवराज चौधरी की मामी जी का स्वर्गवास दिल्ली में हो गया। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्रीमती सतीश सहाय को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

शोक संदेश

स्व. श्रीमती ब्रजराज कुमारी

विगत दिनो स्व. श्री जस्टिस चन्द्रपाल सिंह जी की धर्म पत्नी व अनंतपाल व गायत्री सिंह की माताजी श्रीमती ब्रजराज कुमारी का निधन हो गया। सोना–उगले मिट्टी परिवार परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि स्व. श्रीमती ब्रजराज कुमारी को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को इस क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे...

।। ओम शांति ।।

एग्रोविजन 2025 नागपुर कृषि मेला धूमधाम से सम्पन्न

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एग्रोविजन, नागपुर कृषि मेला धूमधाम से सम्पन्न हुआ, कई प्रतिष्ठित कंपनियो ने अपने स्टाल लगाकर मेले में चार चांद लगाये। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। श्री नितिन गडकरी ने श्री शिवराज को मेले का अवलोकन कराया। सोना–उगले मिटटी व धरती उगले सोना की टीम इस मेले में विशेष रूप से उपस्थित थी।

मध्यप्रदेश की फार्म–टेक इंडिया कृषि प्रदर्शनी 2025

इंदौर। प्रदेश और देश के किसानों, कृषि उद्योग से जुड़े उद्यमों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के लिए रेडीकल कम्युनिकेशन्स द्वारा आयोजित फार्म – टेक इंडिया कृषि प्रदर्शनी 2025 का भव्य आयोजन 8 से 10 नवम्बर 2025 तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक लाभगंगा एग्जिबिशन सेंटर (लाभगंगा गार्डन), ए. बी. रोड बायपास, फीनिक्स मॉल के सामने, द पार्क होटल के बगल में, इंदौर में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। यह प्रदर्शनी कृषि, डेयरी, सिंचाई, कृषि यंत्र, पशुपालन एवं जैव प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर आधारित थी। देश और विदेश की सैकड़ों अग्रणी कंपनियां अपने नवीनतम उत्पादों, तकनीकों और सेवाओं का प्रदर्शन किया। नई तकनीक और स्मार्ट फार्मिंग समाधान, आधुनिक कृषि यंत्र, ड्रोन और सिंचाई तकनीक, डेयरी, पशुपालन, बीज, खाद एवं ऑर्गेनिक खेती समाधान, विशेषज्ञों से मुफ्त सलाह और लाइव डेमो, किसानों ने लाभ उठाया। सोना–उगले मिट्टी की टीम उस मेले में विशेष रूप से उपस्थित थी।

SOLAR FAIR URBAN HAT, INDORE

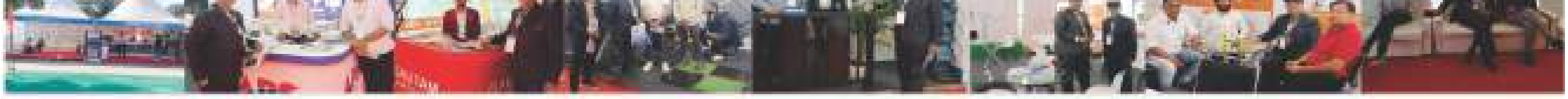

जागरूकता रैली के साथ 3 दिनी जैविक महोत्सव व मिलेट्स फूड फेस्टिवल धूमधाम से सम्पन्न...

विगत दिनो ग्रामीण हाट बाजार ढक्कन वाला कुंआ इंदौर में श्रीअन्न (मिलेट्स) फूड फेस्टियल का शुभारंभ हुआ। यह महोत्सव 12 से 14 दिसंबर तक चलेगा। शुभारंभ के पूर्व श्रीअन्न के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रीगल चौराहे से ग्रामीण हाट बाजार तक मिलेट्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के शुभांरभ में उपाध्यक्ष जिला पंचायत भारत ये रहे मौजूद सिंह पटेल, कंचन सिंह चौहान, जनक पलटा, महेश चौधरी, लक्ष्मीनारायण पटेल, राजेन्द्र पाटीदार, घनश्याम पाटीदार, वरदराज मंडलोई, उप संचालक कृषि सीएल केवडा, आत्मा परियोजना की शर्ली थ्रामस, रश्मि प्रचंड, संदीप यादव, विजय जाट, सहायक संचालक कृषि डीएस वर्मा, अनुविभागीय कृषि अधिकारी एसआर एस्के, राहुल मालवीय, जितेन्द्र पाटीदार, अधिकारी कृषि विभाग व आत्मा के उप संचालक कृषि श्री सी.एल. केवडा, आत्मा परियोजना की श्रीमती शर्ली थामस, श्रीमती रश्मि प्रचंड, संदीप यादव, विजय जाट, सहायक संचालक कृषि डी. एस वर्मा, अनुविभागीय कृषि अधिकारी एस. आर. एस्के, कृषि विकास अधिकारी श्री. शोभाराम आदि मंच पर उपस्थित थे।

फूड फेस्टिवल में पहली बार आने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण है–मिलेट्स से बने विभिन्न व्यंजन। ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी जैसे अनाजों से बने डोसा, खिचड़ी, पिज्जा, हलवा, लड्डू और फ्यूजन डिशेज लोगों को सेहत और स्वाद का बेहतरीन मेल दे रही हैं। फेस्टिवल रोजा सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक चला।

महोत्सव की प्रदर्शनी में नीमच,

इंदौर, धार, बड़वानी समेत कई जिलों के जैविक किसान अपने अनोखे और शुद्ध उत्पाद लेकर पहुंचे है। नीमच के किसान भागीरथ नागदा अपनी ऑर्गेनिक अश्वगंधा और मसालों के कारण ध्यान खींचा । फेस्टिवल में आए लोगों का कहना है कि एक ही जगह पर इतने तरह के प्राकृतिक उत्पाद मिलना और किसानों से सीधे बातचीत करने का मौका मिलना इस कार्यक्रम की खास पहचान है। सोना–उगले मिट्टी की टीम उस मेले में विशेष रुप से उपस्थित थी।

SOLAR EXPO HOTEL SHERATON INDORE

इंदौर में होटल शैरेटन में 17,18 दिसम्बर को 'इंदौर ग्लोबल सोलर एक्सपो एवं सूर्यकॉन कॉन्फ्रेंसद्2025' का दो दिवसीय भव्य आयोजन किया गया,जिसमें पुरे भारत से कई नामी उद्योगपतियों की सोलर कम्पनियो ने अपने सोलर संबंधित उपकरणो का स्टॉल लगाकर सभी को उनकी जानकारी उपलब्ध करवाई गयी,सोलर एक्सपो में हमारी सोलर सोल्यूशन कंपनी उदयपुर,महिदपुर रोड़,रतलाम द्वारा भी अपना स्टॉल लगाकर आये हुए सभी विजिटर्स को अपने प्रोडक्ट की जानकारी उपलब्ध करवाई,जिसमें कंपनी के डायरेक्टर दिनेशजी पाटीदार,शशांक पाटीदार,आनंद पोरवाल,विजय पाटीदार,कीर्ति,अवनी,नेहा एवं ओलिवा लीथियम आयन बैटरी के मेन्युफैक्चरर जेनिल जी कोठारी अहमदाबाद,पैनासोनिक इन्वर्टर कंपनी के मध्यप्रदेश,राजस्थान के हेड अभिषेक जी शर्मा जयपुर उपस्थित थे.।

एक्सपो में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के नवीन एवं नवकरणीय केबिनेट ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला जी,केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान,कुणाल सिंह चौहान,म्फ सोलर एक्सपो के आयोजक आनंद गुप्ता, पंडित लोकेश शर्मा अधिकृत सलाहकार प्रमुख नीति विशेषज्ञ परामर्शदाता मुख्यमंत्री कार्यालय इंदौर,उत्साह ग्रुप के डायरेक्टर राजेंद्र धनोतिया,महिदपुर रोड़ से भरतजी शर्मा,राहुल बोथरा ने भी सोलर सोल्यूशन कंपनी के डायरेक्टर दिनेश पाटीदार से स्टॉल पर निरिक्षण के दौरान मुलाकात की और उपलब्ध उपकरणों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की दिनेश पाटीदार ने बताया की उनकी कंपनी सोलर सोल्यूशन कम्पनी पिछले 15 वर्षो से इस क्षेत्र में काम कर रही है यह भी बताया की आयोजन मध्यप्रदेश को नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है,हरित ऊर्जा से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने हेतु हम सतत प्रयासरत हैं। सोना–उगले मिट्टी की टीम उस मेले में विशेष रूप से उपस्थित थी।

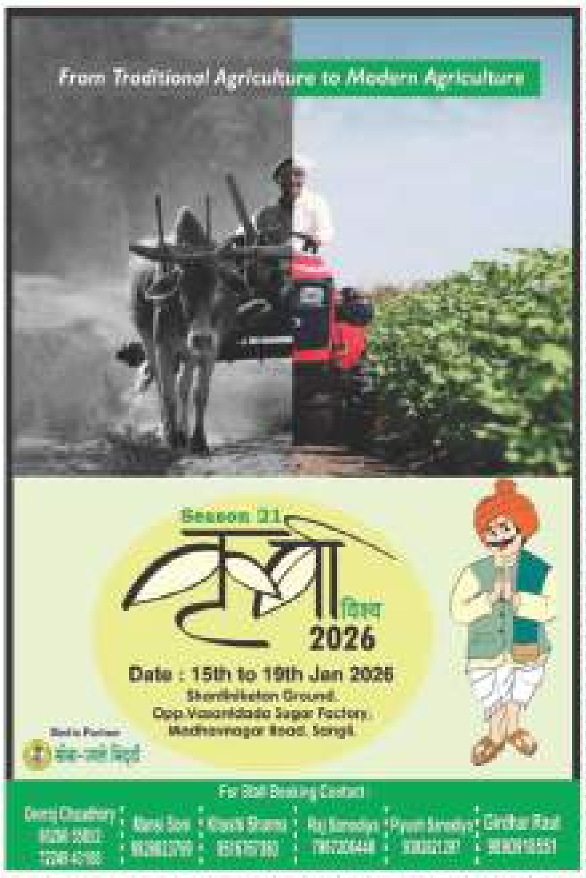

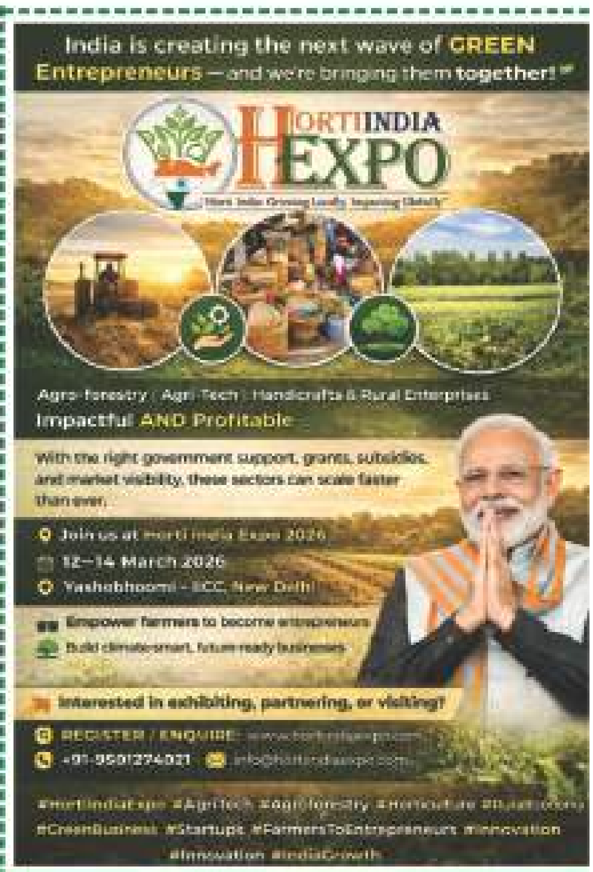

स्वत्वाधिकारी : मुद्रक, प्रकाशक : देवांशु चौधरी के लिए स्पूतनिक प्रिंटिंग प्रेस, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इन्दौर से मुद्रित एवं
ई.ए.–188, स्कीम 94, रिंग रोड, इन्दौर–452010 (म.प्र.) सम्पादक : देवांशु चौधरी, मो. 09827282091, 09826055852